मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
जौनपुर संस्करण
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 191
रविवार, 26 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपया, पृष्ठ- 8
RNI NO. MAHHIN/2018-76092
email ID- uttarshakatinews@gmail.com
www.uttarshakati.co.in
हर खबर निष्पक्षता के साथ आपके पास

गुरैनी सोगर मार्ग पर पुलिया की रेलिंग टूटने से कभी भी हो सकता है हादसा

डॉ. इम्तियाज अहमद / आफताब आलम की रिपोर्ट मानीकलां जौनपुर (उत्तर शक्ति)। शाहगंज सोंधी ब्लॉक अंतर्गत गुरैनी गांव के निकट शारदा सहायक खण्ड माइनर 36 की पुलिया की रेलिंग लगभग दो वर्षो से टूटी पड़ी है। इस मार्ग पर चौबिस घंटा आवागमन चालू रहता है गुरैनी मार्ग से लगभग आठ सौ मीटर की दूरी पर जैसे ही आगे बढ़ेंगे मानीकलां की तरफ जाने के लिए तभी आपको मौत का निमंत्रण नहर की पुलिया की रेलिंग दिखाई देगी।टूटी रेलिग राहगीरों के लिए खतरे का सबब है, खास तौर से रात के अंधेरे में इस ओर से गुजरना चुनौतीपूर्ण हो चुका है। बावजूद इसके, जिम्मेदारों का ध्यान इस समस्या की ओर नहीं जा रहा है।गांव के निकट नहर पर बनी पुलिया की रेलिग लगभग दो वर्षो से टूटी पड़ी है।इस मार्ग से होकर गुजरने वाले गांव मानीकलां,भुडकुडहां,संदहां,गुरैनी, सलारपुर,ग्यासपुर नोनारी,मवई, बरंगी,लखमापुर,भदैनी,अमरेथुआं, सोंगर,समेत बगल के जनपद आजमगढ़ को यही मार्ग जोड़ता है।आसपास के गांवों के नागरिक तो आवागमन करते ही हैं, दूर-दराके के पथिक भी इधर से गुजरते हैं। उनके लिए टूटी रेलिग खतरे का सबब बनी हुई है, खास तौर से अंजान लोगों के लिए। नहर में पानी आने के बाद खतरा और बढ़ जाता है। रेलिंग न होने से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पुलिया की रेलिंग का निर्माण बेहद जरूरी है।छलका स्थानीय लोगों का दर्दमानी कलां गांव निवासी इश्तियाक अहमद ने बताया कि पुलिया की रेलिग टूटने से दुर्घटना का खतरा हर समय बना रहता है। रात के अंधेरे में बाइक, साइकिल सवार पुलिया के नीचे गिरकर घायल हो सकते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि एक माह पूर्व स्कूल से पढ़कर लौट रहा छात्र साइकिल समेत नहर में गिरकर घायल हो गया था। यूं कहिए कि नहर में पानी नहीं था, नहीं तो जान जोखिम में पड़ सकती थी।सुरक्षा दीवार में लगी ईंटों का पता नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते दो वर्षो से पुलिया की रेलिग टूटी पड़ी है। बावजूद इसके, मरम्मत की ओर किसी का ध्यान नहीं गया।इस सम्बन्ध में कई ग्राम सभा के आम जन मानस की यही शिकायत थी शिकायत करने वालों में राजेश गुप्ता,विनोद कुमार,अब्दुल्लाह उर्फ़ डम्पी,अनवारुद्दीन,इसरार अहमद, मोहम्मद आसिफ,शम्स कमर,मोहम्मद आमिर,राजीव कुमार मोहम्मद अफज़ल, मोहम्मद हम्ज़ा, सोनू कुमार, विरेन्द्र कुमार, अखिलेश प्रजापति, सचिन कुमार,राहुल मोदनवाल, अंबिका प्रसाद, आदि लोग शामिल है

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बिहार राज्य में चार नए आउटलेट का उद्घाटन किया

बिहार। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) को कस्बा आहर (समस्तीपुर), जमुहार (सासाराम), भीतहा (बेतिया) और मीरगंज (गोपालगंज), बिहार में चार नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। इन उद्घाटनों के साथ, बैंक ने बिहार में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, जिससे राज्य में बैंकिंग आउटलेट की कुल संख्या 254 और पूरे भारत में 1043 हो गई है। कस्बा आहर (समस्तीपुर), जमुहार (सासाराम), भीतहा (बेतिया) और मीरगंज (गोपालगंज), बिहार के ग्राहकों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक सूट का लाभ मिलेगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ गोविंद सिंह ने कहा, ऋदरभंगा, सासाराम, बेतिया और गोपालगंज में हमारे चार नए बैंकिंग आउटलेट का खुलना ग्रामीण बिहार में वित्तीय समावेशन को बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता में एक मील का पत्थर है। अपने समृद्ध ऐतिहासिक महत्व के साथ ये क्षेत्र विकास के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं। दरभंगा, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक प्रमुखता के लिए जाना जाता है, सासाराम, जो शेरशाह सूरी की विरासत में डूबा हुआ है, बेतिया, जिसका ईस्ट इंडिया कंपनी से ऐतिहासिक संबंध है, और गोपालगंज, जो ऐतिहासिक रूप से कृषि और शिक्षा के विकास से जुड़ा हुआ है, ये सभी अपार संभावनाओं वाले जीवंत समुदाय हैं।

सोने-चांदी के दाम में दिखी जबरदस्त तेजी, सिल्वर में 632 रुपये हुआ महंगा

इंदौर। सोने में इनवेस्ट एक शानदार ऑप्शन है, क्योंकि यह आपको रिस्क फ्री रिटर्न देता है। सोने में इनवेस्टमेंट करना फायदेमंद हो सकता है। 24 जनवरी को सोने के दाम में तेजी आई है। 24 कैरेट सोने की 100 ग्राम की कीमत में 3910 रुपये की तेजी आई है। 24 जनवरी को 24 कैरेट सोने की कीमत 80 हजार 430 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 23 जनवरी 2024 की तुलना में सोने के भाव में आज 391 रुपये की तेजी आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स के अनुसार 23 जनवरी की शाम को 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने की कीमत (रङ्ग्ल्ली डी ईं५) 80039 रुपये थी। 24 जनवरी को 999 वाले 24 कैरेट सोने की कीमत 80430 रुपये हो गई है। 23 जनवरी की शाम को 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत (ॐ डी ईं५) 90633 रुपये थी। 24 जनवरी को 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 91265 रुपये हो गई है। 24 जनवरी को 995 शुद्धता वाले सोने की कीमत 80108 रुपये हो गई है। 916 शुद्धता वाले सोने की कीमत 73634 रुपये हो गई है। 750 शुद्धता वाले सोने की कीमत 60323 रुपये हो गई है। 585 शुद्धता वाले सोने की कीमत 47052 रुपये हो गई है।

एक साल की बच्ची समेत 5 की हत्या करने वाला आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

मेरठ। मेरठ पुलिस ने शनिवार तड़के मुठभेड़ में 50,000 रुपये के इनामी बदमाश जमील हुसैन उर्फ नईम को मार गिराया। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार द्वारा जारी बयान के मुताबिक नौ जनवरी, 2025 को लिसाड़ी गेट स्थित अपने घर पर अपने सौतेले भाई मोइन, उसकी पत्नी और उसके तीन बच्चों की नृशंस हत्या में जमील हुसैन उर्फ नईम मुख्य संदिग्ध था।

पुलिस के मुताबिक, इन पांचों के सिर पर चोट के निशान थे। इन हत्याओं के बाद पुलिस ने जमील हुसैन उर्फ नईम और उसके साथी सलमान पर इनाम घोषित किया था। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने एक बयान में कहा, ह्यह्यजांच में पता चला है कि नईम गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना नाम और स्थान बदल रहा था। इस जघन्य अपराध के पीछे पैसे और संपत्ति को लेकर विवाद था। नईम का दिल्ली और ठाणे में आपराधिक गतिविधियों का इतिहास रहा है।'' बयान के अनुसार, पुलिस टीम जमील हुसैन उर्फ नईम और सलमान को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही थीं। बयान में कहा गया है, ह्यह्यशनिवार सुबह पुलिस की एक टीम ने नईम को पकड़ने गयी थी और मुठभेड़ शुरू हो गई। नईम को गोली लगी और उसे पास के अस्पताल में घायलवस्था में ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।'' पुलिस अब भी एक अन्य आरोपी सलमान की तलाश कर रही है।

बाजार में तेज उतार-चढ़ाव, सेंसेक्स 329 अंक टूट कर 76,190 पर बंद

मुंबई। कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार (24 जनवरी) को भारी उतार-चढ़ाव के बीच लाल निशान पर बंद हुआ बाजार। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 329 अंक की गिरावट के साथ 76,190 के स्तर पर जबकि 113 अंक टूटकर 23,092 के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.59% और कोरिया के कोस्पी में 0.86% की तेजी है। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.85% की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। NSE डेटा के अनुसार, 23 जनवरी को विदेशी निवेशकों ने 5,462.52 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 3,712.55 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। 23 जनवरी को अमेरिका का डाओ जोंस 0.92% की तेजी के साथ 44,565 पर बंद हुआ। एस&पी 500 इंडेक्स 0.53% चढ़कर 6,118 पर बंद हुआ। नैस्डैक इंडेक्स में 0.22% की तेजी रही। इससे पहले कल यानी 23 जनवरी को सेंसेक्स 115 अंक की तेजी के साथ 76,520 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 50 अंक की बढ़त रही, ये 23,205 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी और 12 में गिरावट देखने को मिली थी। IT और ऑटो शेयर्स में बढ़त थी।

अब शहर के लोगों को मिलेगा बेहतर राजस्व प्रशासनः मंत्री दिलीप जयसवाल

पटना। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि शहर के लोगों को अब बेहतर राजस्व प्रशासन मिलेगा। राजधानी पटना का पटना सदर अंचल के विभाजन एवं जनसंख्या के दृष्टिकोण से काफी बड़ा है। इस कारण अंचल के राजस्व कार्यों के ससमय निष्पादन में काफी परेशानियां आ रहीं थीं। प्रशासनिक दृष्टिकोण एवं राजस्व प्रशासन को सुदृढ़ तथा आमजन के लिए संवेदनशील बनाने के लिए पटना सदर अंचल को चार अंचलों में विभाजित कर दिया गया है। अब पटना सदर अंचल क्षेत्र को बांटकर पाटलिपुत्र अंचल, पटना सिटी अंचल एवं दीदारगंज नाम से नए अंचल अस्तित्व में आ गए हैं। डॉ. जायसवाल ने कहा कि बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। उम्मीद है कि शहर के लोगों को बेहतर राजस्व प्रशासन मिलेगा। जाति, आवासीय, आय और एलपीसी प्रमाण पत्र समय से मिलेंगे। दाखिल-खारिज की पेंडेंसी भी जल्द ही खत्म हो जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने बताया कि पटना सदर अंचल के साथ अब नवगठित पाटलिपुत्र, पटना सिटी और दीदारगंज अंचल अस्तित्व में आ गए हैं। सभी अंचलों के डेटाबेस को उन अंचलों के नाम पर ऑनलाइन कर दिया गया है। वहां अंचल अधिकारियों एवं राजस्व अधिकारियों के पदस्थापन की कार्रवाई चल रही है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त निर्णय पटना के जिलाधिकारी और प्रमंडलीय आयुक्त के प्रस्ताव के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से लिया गया है। अब पटना सदर अंचल में बुद्धा कॉलोनी, कोतवाली, श्रीकृष्णापुरी, जक्कनपुर, गांधी मैदान, पीरबहोर, कदमकुआं, कंकड़बाग, पत्रकारनगर और सचिवालय थाना क्षेत्र रहेंगे। सिंह ने बताया कि नवगठित पाटलिपुत्र अंचल में दीघा, राजीव नगर, पटना हवाई अड्डा, पाटलिपुत्रा, शास्त्रीनगर एवं गर्दनीबाग थाना के क्षेत्र रहेंगे पटना सिटी अंचल में बहादुरपुर, सुल्तानगंज, आलमगंज, खाजेकलां, चौक, मालसलामी, मेहदीगंज एवं अगमकुआं थाना क्षेत्र के इलाके रहेंगे। नवगठित दीदारगंज अंचल में दीदारगंज, नदी और बाईपास थाना के क्षेत्र रहेंगे।

बिना कोई परीक्षा कराए हेमंत सरकार युवाओं की 2 लाख से अधिक नौकरी खा गई

रांची। झारखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। मरांडी ने कहा कि झारखंड में एक अनोखा घोटाला सामने आया है। मरांडी ने कहा कि तरह-तरह के भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात हेमंत सोरेन ने सरकारी विभागों में रिक्त पदों की संख्या में बड़ा घोटाला कर दिया है। मरांडी ने कहा कि पिछले 2 सालों में रिक्त पदों की संख्या 4.66 लाख से घटकर अब महज 1.59 लाख रह गई है। यानी बिना कोई परीक्षा कराए हेमंत सोरेन ने युवाओं के 2 लाख 7 हजार की नौकरी खा गई। मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के प्रति कितने गंभीर हैं, उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिना नियुक्ति दिए ही 2 लाख से अधिक रिक्त पद गायब हो गए। इस अनूठे घोटाला का जवाब ना तो हेमंत जी के पास है, ना अधिकारियों के पास। उन्होंने मुख्यमंत्री को कहा कि दीमक की तरह झारखंड के युवाओं का भविष्य खोखला मत करिए।

मध्य प्रदेश में खुले बोरवेल में दुर्घटना हुई, तो जमीन मालिक और खनन एजेंसी जिम्मेदार

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब बोरवेल खुला छोड़ने के कारण कोई दुर्घटना हुई तो भूस्वामी और खनन एजेंसी के जिम्मेदार व्यक्ति को भारतीय न्याय संहिता के तहत दो से 10 वर्ष तक कैद और अर्थदंड दोनों हो सकता है।

बोरवेल या ट्यूबवेल खनन के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से ऑनलाइन अनुमति लेनी होगी। ऐसा न करने पर अर्थदंड व कैद की सजा का प्रावधान किया गया है।

यदि असफल बोरवेल बंद नहीं किए गए, तो संबंधित एजेंसी पर प्रथम अपराध के लिए 10 हजार रुपये और इसके बाद हर अपराध के लिए 25 हजार रुपये अर्थदंड लगाया जाएगा। बोरवेल के पास भूस्वामी व खनन एजेंसी को संपर्क नंबर, पूरा पता विवरण के साथ साइन बोर्ड लगाना होगा। ये नियम खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने से

होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षा अधिनियम-2024 के तहत बनाए गए हैं। नए नियमों की अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार इतने कड़े नियम बनाने वाला मध्य प्रदेश संभवतः पहला राज्य है। इसके अनुसार बोरवेल खोदाई से कोई दुर्घटना न हो, इसके लिए सुरक्षा उपाय करने होंगे। खनन स्थल के चारों ओर कांटेदार बाड़ या अन्य अवरोध लगाना होना। केसिंग पाइप के चारों ओर कांक्रीट प्लेटफार्म का निर्माण करना होगा। वेल्डिंग द्वारा या नट-बोल्ट से केसिंग पाइप पर स्टील प्लेट का मजबूत ढक्कन से बंद करना होगा। नए कानून में बिना अनुमति बोरवेल खनन करवाने वाले के विरुद्ध कोई भी व्यक्ति पोर्टल पर शिकायत कर सकेगा। शिकायत सही पाए जाने पर शिकायतकर्ता को पुरस्कृत किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने खुले या अधूरे बोरवेल में बच्चों के गिरने की जानलेवा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 11 फरवरी, 2010 एवं छह अगस्त, 2010 को निर्देशित किया था कि ऐसी दुर्घटनाओं को कानून बनाकर रोका जाना चाहिए। इसी तारतम्य में राज्य सरकार ने विधानसभा में विधेयक प्रस्तुत कर जुलाई, 2024 में 'मध्य प्रदेश खुले नलकूप में इंसानों के गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा अधिनियम, 2024' लागू किया था। अब इसके नियमों की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसका पालन न करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 और साधारण खंड अधिनियम, 1957 की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। खोदाई पूरी होने के बाद गहराई, परिणाम, कार्यक्षमता और असफल ट्यूबवेल, बोरवेल उचित रूप से सीलबंद, ढंके हुए हो उसकी जियो टैग फोटो अपलोड करनी होगी।

रुपए में गिरावट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार को लग रही चपत, घटकर 11 महीने के निचले स्तर पर आया

नईदिल्ली रुपए में कमजोरी के बीच देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट का सिलसिला जारी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.88 अरब डॉलर घटकर 623.98 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि इससे पिछले सप्ताह में यह 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट आ रही है। इस गिरावट का कारण रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.88 अरब डॉलर घटकर 533.13 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 10.63 लाख डॉलर बढ़कर 68.95 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार 10 लाख डॉलर घटकर 17.78 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का आरक्षित भंडार 7.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.12 अरब डॉलर रहा।

रात को अचानक घर से गायब हो गई नाबालिग लड़की, सुबह कुएं में मिला शव

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के घुमारवीं थाना क्षेत्र के कोटलू ब्राह्मण पंचायत के गांव कोटलु बिंदडे में एक 16 वर्षीय लड़की का शव संदिग्ध हालत में कुएं से बरामद हुआ है। मृतक लड़की की पहचान रिद्धिमा निवासी गांव कोटलु बिंदडे के रूप में की गई है। पुलिस के मुताबिक रिद्धिमा बुधवार रात लगभग 11 बजे घर से गायब हो गई थी। उसके परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया। वीरवार सुबह लगभग 3 बजे जब परिजन लड़की की तलाश करते हुए घर के पास स्थित कुएं के पास पहुंचे तो उन्हें उसका शव कुएं में पड़ा हुआ दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला और उसे सिविल अस्पताल घुमारवीं भेजा। अब पोस्र्बताया कि पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है और लड़की की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू की जांच की जा रही है।

रूस से सस्ता तेल मिलने पर भारत उसे खरीदना जारी रखेगा: हरदीप सिंह पुरी

नईदिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल मिलना जारी रहने की स्थिति में भारत उसकी खरीद जारी रखेगा। इसके साथ ही पुरी ने कहा कि सरकार सबसे किफायती कीमत वाला कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रतिबद्ध' है। पुरी ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर रूस का तेल अच्छी छूट पर उपलब्ध रहता है तो भारत इसे खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, हम फरवरी, 2022 में रूस से 0.2 प्रतिशत से भी कम तेल खरीदते थे। अब हम 30 प्रतिशत तेल रूस से खरीद रहे हैं। अगर यह अच्छी छूट पर उपलब्ध है, तो हम इसे खरीदेंगे। अगर यह कहीं और भी रियायती दर पर उपलब्ध है, तो हम वहां से खरीदेंगे। मंत्री ने कहा कि भारत किसी से कोई मात्रा खरीदने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं और यह प्रतिबद्धता सिर्फ सबसे किफायती कीमत वाली ऊर्जा खरीदने के लिए है। उन्होंने कहा, ईंधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। कुछ उत्पादकों की ओर से कटौती किए जाने के बावजूद बाजार में ज्यादा से ज्यादा कच्चा तेल आ रहा है।ऋ मंत्री ने कहा कि सरकार तेल उत्पादक देशों के साथ दीर्घकालिक और हाजिर दोनों तरह के सौदे करने के लिए तैयार है। पुरी ने कहा, ऋहम आयात के समय निविदाएं जारी करते हैं। इसका मतलब यह है कि अगर हमें किसी खास मार्ग की जरूरत है तो हम निविदा जारी करेंगे और फिर जो भी इसकी आपूर्ति कर सकता है वह आपूर्ति करेगा। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में रिफाइनरी परियोजना संबंधी सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि यह परियोजना अपने विशाल आकार (छह करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता) के कारण व्यवहारिक नहीं है। सरकार इसकी जगह दो-दो करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता वाली तीन रिफाइनरी की संभावनाओं पर गौर कर रही है। रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (आरआरपीसीएल) सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसकी स्थापना 2017 में की गई थी। इस अवसर पर पुरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में 11 फरवरी से शुरू होने वाले चार-दिवसीय 'भारत ऊर्जा सप्ताह' का तीसरा संस्करण भागीदारी, प्रदर्शनी स्थल और चर्चा सत्रों के मामले में वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा ऊर्जा कार्यक्रम होगा। इस दौरान हरित पाक-कला मंत्रिस्तरीय बैठक भी आयोजित की जाएगी। यह बैठक खाना बनाने के हरित समाधानों को वैश्विक स्तर पर अपनाने में तेजी लाने के लिए प्रयास बढ़ाने पर जोर देगी।

आठ-आठ लाख के 4 सहित 36 लाख के इनामी 14 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। जिले के उसूर थाना क्षेत्र के जंगलों से सुरक्षा बल ने 36 लाख के आठ इनामी सहित 14 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपितों को जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए नक्सल आरोपित जंगलों में स्पाइक होल लगाने की घटना में शामिल थे। इस घटना में दो जवान घायल हुए थे। इनमें से चार नक्सली आठ-आठ लाख के इनामी हैं, जो नक्सलियों के केंद्रीय रीजनल कंपनी (सीआरसी) नंबर दो में पीपुल्स पार्टी कमेटी सदस्य (पीपीसीएम) थे। वहीं चार नक्सली एक-एक लाख के इनामी हैं।

पकड़े गए नक्सलियों में कमली कोड़ेम, चैते सोढ़ी, जोगी सोढ़ी, राजे सोढ़ी पर आठ-आठ लाख का इनाम है। वहीं देवा मड़कम, कोसा माड़वी, लिंगा कुहरामी, सोमड़ा मड़कम पर एक-एक लाख का इनाम है। अन्य नक्सलियों में जोगा मड़कम, हुर्रा मड़कम, सोमड़ा मड़कम, रामा माड़वी, हुंगा माड़वी, सुक्का माड़वी भी शामिल हैं। इनके पास से लकड़ी के 23 व लोहे के आठ स्पाइक, गैती मिली है। गरियाबंद मुठभेड़ में 65 लाख के इनामी नक्सली सत्यम गावड़े मारा गया। वह धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन का प्रमुख और क्षेत्र में नक्सली आतंक का पर्याय था। सत्यम पर 25 से अधिक अपराध दर्ज थे। मुठभेड़ में कुल 16 नक्सली ढेर हुए, जिससे क्षेत्र में नक्सली प्रभाव कमजोर हो रहा है।

झांसी में डबल मर्डर से फैली सनसनी, युवक ने घर में घुसकर पति-पत्नी को तलवार से काटा

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक युवक ने घर में घुसकर पति-पत्नी की तलवार से हमला कर हत्या कर दी। इस डबल मर्डर की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के मुताबिक, यह वारदात झांसी के टोड़ी फतेहपुर के कुटोरा गांव की है। यहां पर मंगलवार सुबह घर में घुसकर युवक ने पति-पत्नी पर तलवार से हमला कर दिया। हमले में पति पुष्पेंद्र (40) पुत्र कैलाश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी संगीता (35) गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को तुरंत सीएचसी ले जाया गया। यहां

उसने भी दम तोड़ दिया। इस दोहरे हत्याकांड के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी देवेश कुमार उपाध्याय पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जा पहुंचे। मौके पर पहुंची पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। युवक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। उत्तर प्रदेश के बरेली में शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां पर खुद को किन्नर बताने वाले एक व्यक्ति ने आठ साल की बच्ची को अपनी हैवानियत का शिकार बनाया है। यह मामला जब कोर्ट में पहुंचा तो आरोपी ने ये कहा कि वह तो किन्नर है, वह दुष्कर्म कर ही नहीं सकता। जब कोर्ट के आदेश पर जेल प्रशासन ने उसका एसजीपीजीआई में लिंग परीक्षण कराया तो वह पुरुष निकला। इसी आधार पर स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट न्यायालय संख्या तीन उमाशंकर कहार ने उसे 20 साल कैद की सजा सुनाई है।

पंजाब के इन सरकारी मुलाजिमों पर गिरेगी गाज!

लुधियाना। पंजाब के सभी विभागों में गलत तरीके से ऊपरी पोस्ट पर काबिज मुलाजिमों पर गाज गिरेगी जिसके तहत सरकार द्वारा उनका सी.डी.सी. चार्ज वापस लेने का फैसला किया गया है। इस संबंध में पर्सोनल डिपार्टमेंट द्वारा सभी विभागों को सर्कुलर जारी कर दिया गया है जिसके मुताबिक किसी भी मुलाजिम को करंट ड्यूटी चार्ज नहीं दिया जा सकता है। हालांकि सरकार द्वारा योग्यता पूरी वाले मुलाजिमों को जल्द प्रमोशन देने के निर्देश दिए गए हैं लेकिन इसके बावजूद ज्यादातर सरकारी विभागों में मुलाजिमों को गलत तरीके से ऊपरी पोस्ट का चार्ज दिया गया है। इस तरह योग्यता पूरी किए बगैर ऊपरी पोस्ट पर काबिज सरकारी मुलाजिमों द्वारा अतिरिक्त वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए कोर्ट में केस किए जा रहे हैं जिसका सरकार ने सख्त नोटिस लिया है और इसकी गाज सी.डी.सी. चार्ज लेकर बैठे मुलाजिमों पर गिरेगी जिसके तहत सभी विभागों को अब तक किसी भी मुलाजिम को दिया गया सी.डी.सी. चार्ज वापस लेने के साथ ही आगे से किसी मुलाजिम को गलत तरीके से ऊपरी पोस्ट का चार्ज न देने की हिदायत दी गई है। सरकारी मुलाजिमों को अवैध रूप से ऊपरी पोस्ट चार्ज देने के मामलों की भरमार नगर निगम की प्रापर्टी टैक्स ब्रांच में भी देखने को मिल रही है। इनमें सबसे ज्यादा संख्या क्लर्कों की है, जो गलत तरीके से इंस्पैक्टर बने हुए हैं। इसके लिए सरकार की कोई मंजूरी नही ली गई, बल्कि कमिश्नर की जगह जोनल कमिश्नरों द्वारा अपने तौर पर ही सी.डी.सी. चार्ज दिया गया है।

ईडी की छापेमारी से राजनीतिक हलचल, बलजीत यादव पर गंभीर आरोप

जयपुर। पूर्व विधायक बलजीत यादव के ठिकानों पर शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की है। पूर्व विधायक यादव की फर्म पर सरकारी स्कूलों में घटिया सामान की आपूर्ति का आरोप है। ईडी सूत्रों के मुताबिक यादव के जयपुर में 8 ठिकानों के साथ दौसा व अलवर स्थित एक-एक ठिकाने पर टीमें पहुंची हैं। रेड की कार्रवाई पीएमएलए कानून के तहत हो रही है। विधायक व उनसे जुड़े कुछ लोगों पर आरोप है कि इनकी कुछ कंपनियों ने सरकारी स्कूल के अंदर विधायक कोष से सामान की आपूर्ति में 3.72 करोड़ रुपए का घोटाला किया। विधायक कोष को दुरुपयोग कर नियमानुसार जो अनुमति लेनी थी, वह परमिशन नहीं ली गई। इसके साथ ही टेंडर देने वाली फर्मों ने फेक

डॉक्यूमेंट का यूज किया। साल-2022-23 में बहरोड़ क्षेत्र में बलजीत यादव व उसके सहयोगियों की कंपनियों ने विधायक कोष में क्रिकेट-बैडमिंटन किट की खरीद की थी। आरोप है कि विधायक फंड में हेरफेर कर 2.50 गुना अधिक में खरीद कर सरकार को नुकसान पहुंचाया गया। इसमें कुल 32 स्कूलों को सामान दिया गया था। प्रत्येक स्कूल के लिए 9 लाख का खेल सामान खरीद किया था। दावा किया गया कि क्रिकेट के बैट खरीदे गए उसकी कीमत भी 15,600 तक बताई गई थी। ज्यादातर स्कूलों को 50-50 बैट दिए गए। इस घोटाले में पहले एसीबी की ओर से मामला दर्ज किया गया था। इसमें बलजीत यादव और 8 अधिकारी- कर्मचारियों की मिलीभगत का आरोप था। आरोप है कि विधायक कोष का दुरुपयोग कर सरकार को राजस्व की हानि पहुंचाई गई। बलजीत यादव 2018 से 2023 में बहरोड़ से निर्दलीय विधायक रहे हैं। विधायक रहते हुए बलजीत यादव ने अशोक गहलोत सरकार को समर्थन दिया था, राज्यसभा चुनाव में भी यादव ने कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग की थी। चलिए अब आपको बताते है की आखिर क्या है ढटछअ एक्ट?

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यतः तीन अधिनियमों - पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम), फेमा व एफईओए के तहत किसी संदिग्ध व्यक्ति/संस्था के खिलाफ कार्यवाही कर सकती है। जिसके धन शोधन निवारण अधिनियम (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट - पीएमएलए) में वित्त मंत्रालय द्वारा प्रावधान किया गया है। अब इस कानून के दायरे में चार्टेड अकाउंटेंट (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) और कॉस्ट एकाउंटेंट से जुड़े लेनदेनों को भी रखा गया है। केंद्र सरकार का मानना है कि कालेधन पर रोक लगाने के लिए यह कदम काफी सहायक होगा।

महाकुंभ : 10.80 करोड़ श्रद्धालु लगा चुके है डुबकी, 27 को होगी धर्म संसद

0-उत्तर प्रदेश, अपनी सांस्कृतिक धरोहर और समृद्ध परंपराओं के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है : केशव मौर्या

0-इस स्थापना दिवस की थीम ह्यविकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेशह्न राज्य की प्रगति को नई दिशा देने का संकल्प है

0-आज पूरे प्रदेश में उत्साह और गर्व का माहौल है

महाकुंभनगर, प्रयागराज। महाकुंभ में रोजाना श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी है. महाकुंभ के 12वें दिन शुक्रवार को भी श्रद्धालु सवेरे से ही आस्था की डुबकी लगाते रहे. यह सिलसिला सायंकाल तक चला। स्नान करने वालों की संख्या 10.80 करोड़ तक पहुंच गई है. इसके अलावा महामंडलेश्वरों के शिविरों में दर्शन-पूजन व यज्ञ सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है. इसी बीच महाकुंभ से सनातन बोर्ड के गठन की मांग तेज हो गई है. साधु संत सरकार से अपील कर रहे हैं कि वक्फ बोर्ड की तर्ज पर सनातन बोर्ड का गठन किया जाए ताकि धर्म की रक्षा की जा सके. इसके लिए अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के साथ कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर और आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद गिरी आदि ने 27 जनवरी

को धर्म संसद की तिथि तय की गयी है। महाकुंभ 10 लाख कल्पवासी और मेला क्षेत्र में 48.76 लाख भक्त भक्ति में धुनी रमाए है। महाकुंभनगर के कला कुंभ परिसर, सेक्टर-07 में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, अपनी सांस्कृतिक धरोहर और समृद्ध परंपराओं के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इस स्थापना दिवस की थीम विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश राज्य की प्रगति को नई दिशा देने का संकल्प है। उत्तर प्रदेश राज्य के स्थापना दिवस पर आज पूरे प्रदेश में उत्साह और गर्व का माहौल है। अध्यात्म, ज्ञान और शिक्षा की तपोभूमि उत्तर प्रदेश, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित भारत की संकल्प यात्रा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह दिन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक उपलब्धियों और विकास यात्रा को सम्मानित करने का प्रतीक है।

आर्थिक और औद्योगिक विकास की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने बताया कि प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यहां प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर, बाबा विश्वनाथ का दिव्य कॉरिडोर और महाकुंभ का विहंगम आयोजन है। इसके साथ ही प्रदेश में औद्योगिक विकास की अभूतपूर्व गति ने इसे भारत की अर्थव्यवस्था का मुकुट बनाने का सपना साकार किया है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में नई ऊर्जा और नई रफ्तार के साथ विकास हो रहा है। प्रदेश सरकार 24 करोड़ जनता की खुशहाली और समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

सांस्कृतिक धरोहर से आधुनिकता की ओर

मंत्री ने अपने वक्तव्य के अंत में कहा कि उत्तर प्रदेश न केवल अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को संजोए हुए है, बल्कि आधुनिकता और विकास के एक्सप्रेसवे पर सरपट दौड़ रहा है। यह प्रदेश आने वाले समय में भारत के विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा।

संपूर्ण विश्व को समानता और समरसता का संदेश दे रहा महाकुंभ : अर्जुन राम मेघवाल

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने केंद्रीय मंत्री का किया स्वागत

महाकुंभ नगर। महाकुंभ भारत की आस्था, एकता और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। यह महाकुंभ आज विश्वभर में समानता और समरसता का संदेश दे रहा है। यह बातें केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहीं। इसके पहले प्रयागराज एयरपोर्ट पर औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने केंद्रीय मंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद दोनों मंत्री महाकुंभ नगर पहुंचे, जहां त्रिवेणी संगम के पावन तट पर स्थित परमार्थ निकेतन शिविर में उन्होंने स्वामी चिदानंद सरस्वती द्वारा आयोजित मोरारी बापू की श्रीराम कथा में भाग लिया। राज्यमंत्री मेघवाल ने इस अवसर पर वैदिक अनुष्ठान में आहुति देकर भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुभव किया। पवित्र संगम में डुबकी लगाने के लिए मंत्रीगण वीआईपी घाट पहुंचे। केंद्रीय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ह्यनंदीह्ल के साथ संगम में स्नान किया। इस दौरान मंत्री नंदी ने उनका मार्गदर्शन करते हुए संगम स्नान की विधि को विशेष बना दिया। स्नान के उपरांत विदेशी पक्षियों को दाना खिलाते हुए उन्होंने प्रकृति और मानवता के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। केंद्रीय राज्यमंत्री ने महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता की प्रशंसा करते हुए कहा कि महाकुंभ अनंतकाल से आस्था, अध्यात्म और समरसता का संगम रहा है। यह न केवल भारत का, बल्कि संपूर्ण विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है। महाकुंभ 2025 से विश्वभर को समानता और

समरसता का अमूल्य संदेश जा रहा है। महाकुंभ की अलौकिकता और इसकी दिव्यता ने सभी उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया। संगम तट पर मंत्रोच्चार, वैदिक अनुष्ठान और भारतीय संस्कृति की भव्यता ने इसे एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया।

सांस्कृतिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास की त्रिवेणी प्रवाहित कर रहा यूपी : नन्दी

महाकुंभ नगर। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर महाकुंभ नगर में आयोजित भव्य प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक समारोह ने प्रदेश की सांस्कृतिक, औद्योगिक और आर्थिक विरासत को एक नई पहचान दी। शुक्रवार को कुम्भ कला परिसर में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने इस आयोजन का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में नन्दी ने प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और औद्योगिक प्रगति को रेखांकित करते हुए इसे ह्यसांस्कृतिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास की त्रिवेणीह्ल का प्रतीक बताया। नन्दी ने कहा कि उत्तर प्रदेश न केवल भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, बल्कि यह अपनी संस्कृति, इतिहास और समृद्धि के कारण भी सदैव अग्रिम पंक्ति में रहा है। महाकुंभ 2025 जैसे वैश्विक आयोजन ने इस सांस्कृतिक गौरव को और बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि अब तक 10.80 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं और 26 फरवरी तक यह संख्या 40 से 50 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

महाकुंभः वैश्विक आकर्षण का केंद्र

नन्दी ने कहा कि महाकुंभ 2025 देश और दुनिया के लिए एक अद्वितीय आयोजन है। उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना का वैश्विक मंच बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरासत और विकास मंत्र से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को आधुनिकता के साथ सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बनाया है। मंत्री ने महाकुंभ के व्यवस्थापन की सराहना करते हुए कहा कि इतने बड़े पैमाने पर भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक संचालन और सुरक्षा व्यवस्था एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे एक सफल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन दुनियाभर के विश्वविद्यालयों और शोधकर्ताओं के लिए अध्ययन का विषय बन चुका है।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस महोत्सव मना

नालासोपारा। उत्तर भारतीय विकास मंच द्वारा नालासोपारा पूर्व ओसवालनगरी में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस महोत्सव 2025 में नाला सोपारा विधायक राजन नाइक शामिल हुए। उत्तर प्रदेश की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति और योगदान का सम्मान करते हुए यह कार्यक्रम एक प्रेरणादायक आयोजन था।

इस अवसर पर विनोद कांबली पूर्व क्रिकेटर भारत, डॉ. ओमप्रकाश दुबे डायरेक्टर आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज दुबे, विद्याधर मिश्र, पंकज मिश्रा, अजीत सिंह संरक्षक देवदूत वानर सेना, रूपेश जाधव पूर्व महापौर, पंकज देशमुख अध्यक्ष शिव सेना यू.बी.टी., सुरेश शुक्ला प्रसिद्ध गायक, जगदीश सोनकर पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश, शैलेश सिंह ठाकुर निदेशक आकृति हॉस्पिटल, उन्नति हॉस्पिटल, प्रगति हॉस्पिटल, संतोष आर. एन. दशाशंकर तिवारी पूर्व महापौर नागपुर, चंद्रकांत त्रिपाठी पूर्व मंत्री महाराष्ट्र उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन

नालासोपारा (उत्तर शक्ति) नालासोपारा (पूर्व), 24 जनवरी 2025: उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर बहुजन विकास आघाडी और उत्तर भारतीय विकास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम के.एन.पी.डी. हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज, तुलिंज रोड पर आयोजित हुआ, जिसमें हजारों लोगों की उपस्थिति ने इसे यादगार बना दिया।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5 बजे दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राजीवजी पाटील, श्री क्षितिजजी ठाकुर, सी. प्रविणताई ठाकुर, और श्री राजेश पाटील जैसे प्रतिष्ठित नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सभापति वंशनारायण मिश्रा (टिकोरी) ने की।

कवि सम्मेलन की झलकियां

सम्मेलन में देश के जाने-माने कवियों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। हास्य, वीर, और गजल विधा के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. रजनीकांत मिश्र,विवेक सिंह गजली,श्वेता मिश्रा,महेश दुबे, ज्योति त्रिपाठी, और निडर जौनपुरी जैसे कवियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। वीर रस के ओजस्वी गीत और हास्य कविताओं ने समां बांध दिया,और लोगो ने तालियों की करतल ध्वनि से हौसला अफजाई करते रहे।

पत्रकारों का सम्मान

उत्तर भारतीय विकास संस्था सदैव से ही पत्रकार बंधुओं का सम्मान करती रही है,विशेष रूप से प्रथम महिला महापौर प्रवीणताई ठाकुर और पूर्व महापौर उमेश नाइक ने वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह का सम्मान किया। कार्यक्रम में पत्रकारिता जगत के विशिष्ट प्रतिनिधियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। एस.के.जी. सिंह (मुंबई मेरी टाइम्स), गोपालजी गुप्ता (दैनिक भास्कर), आर आर जी सिंह पत्रकार सामना,राकेश सिंह और अन्य पत्रकारों को उनके निष्पक्ष और निर्भीक कार्यों के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

समापन और मुख्य योगदान

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर उत्तर भारतीय विकास संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पांडे, के.डी. शर्मा प्रमुख सलाहकार,राम सिंह उपाध्यक्ष,दिवाकर शुक्ला,चंद्रशेखर मिश्रा,अनुराग अंकुर,अजय सिंह ठाकुर,अजय तिवारी, शैलेश तिवारी, और विजय सिंह डब्लू ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्तर भारतीय विकास संस्था के द्वारा अखंड क्षत्रिय समाज संस्था के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह और कुंवर संजय सिंह सह सचिव का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया

महिला आयोजकों में सुधा दुबे अध्यक्ष,रंजिता मिश्रा,पूजा सिंह,शांति देवी,सुमन दुबे आदि अन्य महिलाओं का भी प्रमुख योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और दर्शकों को स्वादिष्ट बाटी-चोखा भोज परोसा गया। आयोजन समिति ने इसे सफल बनाने में कड़ी मेहनत की, जिसमें रामनयन पांडेय, अनुराग अंकुर, और अजय तिवारी जैसे प्रमुख सदस्यों का विशेष योगदान रहा। संस्था के अध्यक्ष राजेश पांडेय समाज को एकत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह आयोजन उत्तर भारतीय समाज की सांस्कृतिक धरोहर और एकता का प्रतीक बन गया।यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

किसानों और डॉक्टरों के बीच तनातनी, चिकित्सकों पर इलाज से इनकार का लगाया आरोप

पटियाला। खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को मेडिकल सहायता देने के लिए तैनात राजिंदरा अस्पताल के डॉक्टरों और धरनारत किसानों के बीच तनातनी हो गई। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच सुलह हो गई। किसान नेताओं ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप लगाए। इसके बाद डल्लेवाल ने ड्रिप लगवाने से इनकार कर दिया और साफ शब्दों में कहा कि अब वह प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में ही ड्रिप लगवाएंगे।

किसान नेताओं की ओर से शिकायत मिलने के बाद सिविल सर्जन डॉ. जगपालइंद्र सिंह की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की एक टीम खनौरी बॉर्डर पहुंची और डल्लेवाल व अन्य किसान नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद किसान नेता अभिमन्यु सिंह कोहाड़ ने कहा कि अधिकारियों की तरफ से भरोसा दिलाया गया है कि इस तरह की गलती भविष्य में दोबारा नहीं होगी। इसके बाद डल्लेवाल ने 15 घंटे के अंतराल के बाद ड्रिप लगवा ली है। टीम की तरफ से भरोसा दिलाया गया है कि प्रोफेसर ऑफ मेडिसिन रैंक के डॉक्टरों को अब डल्लेवाल के लिए इलाज में बॉर्डर पर 24 घंटे तैनात किया जाएगा। डॉक्टरों की संख्या और बढ़ाई जाएगी। किसान नेता अभिमन्यु सिंह कोहाड़ ने बताया कि मंगलवार देर रात डल्लेवाल को ड्रिप लगाई हुई थी, जिसमें एक छोटी बोतल भी थी। इसका एक तय समय होता है, जिसमें इसे खत्म कर लेना होता है। उस समय ड्यूटी पर तैनात सरकारी डॉक्टर से लापरवाही हुई। उसे लगा कि बोतल खत्म होने में ज्यादा समय ले लगी। क्योंकि करीब 45 मिनट हो गए थे और एक घंटे में यह बोतल खत्म हो जानी चाहिए थी। इसके चलते डॉक्टर ने ड्रिप की स्पीड ज्यादा बढ़ा दी। इससे डल्लेवाल की बाजू में तेज दर्द होने लगा और ब्लीडिंग भी हुई। कोहाड़ ने कहा कि डल्लेवाल की जिंदगी इतनी सस्ती नहीं है कि उनकी सेहत के साथ इस तरह की लापरवाही बरती जाए। कोहाड़ ने कहा कि मंगलवार रात डल्लेवाल के इलाज के लिए सीनियर व स्पेशलिस्ट डाक्टर ड्यूटी पर मौजूद नहीं थे। वहीं दूसरी तरफ मंगलवार रात ड्यूटी पर तैनात राजिंदरा के डॉक्टरों ने अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट को पत्र लिखकर किसानों पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने व अभद्र भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगाते डल्लेवाल का इलाज करने से इनकार कर दिया। इस सारे प्रकरण के बीच वरिष्ठ डॉक्टरों व प्रशासनिक अधिकारियों की टीम बॉर्डर पहुंची। किसान नेता कोहाड़ के मुताबिक टीम डल्लेवाल से मिली और किसान नेता ने उन्हें सारे प्रकरण के बारे में बताया। इसके बाद अधिकारियों ने माफी मांगी है और भरोसा दिलाया है कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही नहीं होगी।

सुल्तानपुर लोधी थाने में तैनात अरकपर मारपीट-अश्लील हरकतें करने के आरोप

कपूरथला (पंजाब)। कपूरथला की सब डिवीजन सुल्तानपुर लोधी के थाने में तैनात एक एएसआई पर दो युवकों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित युवकों ने एएसआई पर अवैध रूप से हिरासत में रखने के साथ साथ मारपीट, गाली-गलौज और अश्लील हरकतें करने के भी आरोप लगाए हैं। पीड़ितों ने मानवाधिकार आयोग, डीजीपी पंजाब और एसएसपी कपूरथला को भी शिकायत भेजी है। वहीं दूसरी तरफ आरोपी एएसआई ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए जांच करवाने की बात कही है। एसएसपी कपूरथला गौरव तूरा ने मामले की जांच किए जाने की बात कही है।

सिविल अस्पताल सुल्तानपुर लोधी में उपचाराधीन आशु चड्ढा और चेतन शर्मा ने बताया कि आशु को किसी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवानी थी, जब वह थाने पहुंचे तो वहां एएसआई बलदेव सिंह मिले जो उन्हें अपने कमरे में ले गया। उसने उनकी बात सुनने के बाद राजीनामे के लिए एक लाख रुपये की मांग की और कहा कि राजीनामा करा दूंगा। इसने उसने कहा कि सर हमें उनसे करीब चार लाख रुपये लेने हैं।

इसी बीच बलदेव सिंह ने उनके साथ बदसलूकी शुरू कर दी। उन्हें ऐसा लगा जैसे उसने कोई नशा किया हो, वह बदतमीजी करने लगा और कपड़े उतारने को कहने लगा। उसने अश्लील हरकतें की जिसका उन्होंने विरोध किया। उसके बाद थानेदार पुलिस प्रमुख के कार्यालय के पास ले गया। जहां उसने मारपीट की और गाली-गलौज की। पीड़ित युवकों ने कहा कि उन्हें इस घटना से बहुत शर्मिंदगी महसूस हो रही थी। वे घर जाने के बजाय काली बेंई में कूदने के बारे में सोचने लगे, फिर अपने परिवार के बारे में सोचकर रुक गए। अब युवकों को प्रशासन से मांग है कि उन्हें न्याय दिया जाए। युवकों ने इस संबंध में मानवाधिकार आयोग, डीजीपी पंजाब और एसएसपी कपूरथला को भी लिखित शिकायत भेजी है।

बॉर्डर एरिया के युवाओं को फंडिंग कर पुलिस-आर्मी में करा रहे भर्ती, एनआईए का खुलासा

चंडीगढ़। पंजाब में खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठनों के बढ़ते कदम को रोकने में जुटी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की जांच में नए इनपुट सामने आए हैं। एनआईए दिल्ली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंजाब में आतंकी संगठन नया आउटफिट तैयार करने में जुटे हैं। इस नए आउटफिट के तार पंजाब से यूके, अमेरिका, कनाडा, फिलीपींस, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, पोलैंड, इटली और अन्य देश से जुड़ते नजर आ रहे हैं। पंजाब के युवाओं को विदेश में पढ़ने और नौकरी करने के लिए आतंकी संगठनों की ओर से फंडिंग की जा रही है।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई आतंकी संगठनों के साथ मिलकर पंजाब के युवाओं को विदेश भेजने के लिए फंडिंग कर रही है और उनकी यह पहली प्राथमिकता रहती है कि पंजाब के युवाओं को दूसरे देश की पुलिस, आर्मी और यहां तक की वहां प्रशासनिक विभागों में भर्ती कराया जा सके। इस नए आउटफिट के जरिए आतंकी संगठन पंजाब के इन युवाओं को अन्य देश की पुलिस और आर्मी में भर्ती करा न केवल उनके खुफिया इनपुट जुटा रही है, बल्कि विदेश से पंजाब में आतंकी हमलों और उनके मूवमेंट को मजबूत करने की दिशा में बड़ा नेटवर्क तैयार कर रही है।

एनआईए के अधिकारी ने पंजाब में बीते नवंबर और दिसंबर में पुलिस थानों पर हुए हैंड ग्रेनेड हमलों की तहकीकात के दौरान मिले इनपुट पर दावा करते हुए कहा कि इस नए आउटफिट के तहत

जालंधर में युवक की नशे के ओवरडोज से मौत, खेत में शव के पास पड़ी मिली सिरिंज

जालंधर। जालंधर में कस्बा फिल्लौर के गांव छोकरां में 22 वर्षीय युवक की मौत का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि नशे का इंजेक्शन लगाने से नौजवान की मौत हुई है। शव गांव के रास्ते पर खेत से मिला। पास ही नशे का इंजेक्शन भी पड़ा मिला है। युवक लाडोवाल के पास एक गांव से इंजेक्शन लेकर आया था। इलाका निवासियों का कहना है कि इलाके के बहुत से युवक वहां नशा लेने जाते है। इलाके में सब्जी और अन्य सामान की आड़ में नशीला पदार्थ बेचा जा रहा है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि गांव में नशे का धंधा करवाया जाए। थाना लाडोवाल के प्रभारी एसआई गुरशिंदर कौर ने कहा कि लाडोवाल क्षेत्र में जो भी तस्कर नशा बेचता पकड़ा गया, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। थाना फिल्लौर के प्रभारी इंस्पेक्टर संजीव कपूर ने कहा कि पुलिस टीमें जगह-जगह नाके लगाकर दिन रात नशा तस्करों को पकड़ने में जुटी हुई हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और युवक की पहचान के लिए आसपास के एरिया में पता लग रहे हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन दिल्ली ने डॉ. विशाल को सीओओ और प्रीतेश जावेरी को रिक्रूटमेंट

मुंबई। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन दिल्ली ने डॉ. विशाल तलवार को चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) और प्रीतेश जावेरी को रिक्रूटमेंट, मार्केटिंग एवं एडमिशन का डायरेक्टर नियुक्त किया है। प्रमुख पदों पर की गई ये नियुक्तियां भारत में अपनी उपस्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में बढ़ाया गया उनका एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे वे पढ़ाई और कामकाज दोनों स्तर पर उत्कृष्टता को बढ़ावा देना चाहते हैं।

डॉ. विशाल तलवार के पास उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता में काफी अनुभव है। इस पद पर नियुक्त होने से पहले उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद में कैम्पस डायरेक्टर एंड हेड तथा मार्केटिंग प्रोफेसर के रूप में काम किया। बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी (बीएमयू) में वे लीडरशिप पॉजिशन पर थे। डॉ. विशाल तलवार की भूमिकाओं में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन, इनोवेशन एंड आन्त्रप्रेन्योरशिप डायरेक्टर, जैसे पद शामिल हैं। उनके शैक्षणिक सफर का दायरा एसपी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे नामचीन संस्थानों तक फैला हुआ है।

डॉ. तलवार एक प्रखर शिक्षाविद् हैं। उन्होंने विश्व-स्तर पर होने वाले शोध में काफी योगदान दिया है। प्रतिष्ठित एफटी 50 सूची में शामिल जर्नल सहित उनके कई सारे जर्नल प्रकाशित हुए हैं। किताबों में उनके विद्वत्तापूर्ण योगदान के अलावा एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस, अमेरिकन मार्केटिंग एसोसिएशन समर कॉन्फ्रेंस, ब्रिटिश एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट और इन्फॉर्म्स मार्केटिंग साइंस जैसे सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भी उनका योगदान रहा है।

प्रीतेश जावेरी, स्टूडेंट्स रिक्रूटमेंट, मार्केटिंग और प्रोग्राम मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपने साथ काफी महत्वपूर्ण अनुभव लेकर आए हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन दिल्ली में आने से पहले श्री जावेरी ने फ्लेम यूनिवर्सिटी में एडमिशन आउटरीच डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। वे एसपी जैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में स्टूडेंट रिक्रूटमेंट हेड के पद पर भी कार्यरत थे। इस दौरान स्टूडेंट की पहुंच को बेहतर बनाने और संस्थागत विकास में उन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यूनुए एर्थटन, वाइस-प्रेसिडेंट इंटरनेशनल एंड एंगेजमेन्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन कहते हैं, डॉ. विशाल तलवार और प्रीतेश जावेरी को शामिल करते हुए बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन दिल्ली, भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय व्यापक कैम्पस होने वाला है। यह शैक्षणिक साझेदारी को आगे बढ़ाएगा और भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में एक अंतरराष्ट्रीय आयाम लेकर आएगा। काम करने का हमारा प्रमाणित तरीका विश्व-स्तरीय, काम के लिए तैयार ग्रेजुएट्स तैयार करता है जिनके पास भारत की तेजी से बढ़ती शिक्षा अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने का खास और अनोखा हुनर है। लीडरशिप की क्षमता के साथ हम अपने लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं और यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन दिल्ली को भारत में सर्वश्रेष्ठ संस्थान बनाने की दिशा में भी काफी अच्छा काम कर रहे हैं।

डॉ. विशाल तलवार, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन दिल्ली का कहना है, इतने रोचक मोड़ पर यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन दिल्ली के साथ जुड़ना काफी अच्छा अनुभव है। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन दिल्ली, स्टूडेंट्स को ग्लोबल लर्निंग का एक शानदार अनुभव देने का वादा करता है। गुरुग्राम के उद्देश्यपूर्ण, सुरक्षित और तकनीकी रूप से उन्नत परिसर का मुख्य फोकस शिक्षा को मजबूती देने के साथ-साथ संपूर्ण विकास है। दिल्ली-एनसीआर का व्यापक नेटवर्किंग, इंडस्ट्री से जुड़ने और कॅरियर में बदलाव लाने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। बेहद सतर्कता से तैयार किए गए तरीके स्टूडेंट्स को व्यावहारिक और दुनिया का वास्तविक अनुभव देंगे। इससे वे अपने कॅरियर के लिए पूरी तरह तैयार हो पाएंगे ह्न इन नियुक्तियों के साथ-साथ ये यूनिवर्सिटी शैक्षणिक स्तर को ऊपर उठाने, इंडस्ट्री के साथ मजबूत साझेदारी को बढ़ाने के लिए तैयार है। साथ ही ऐसे ग्रेजुएट्स तैयार कर रही है, जो तेजी से बदलती दुनिया में अपनी जगह बनाने में कामयाब हो पाएं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 के टॉप 100 संस्थानों में से एक ये यूनिवर्सिटी 135 देशों के 25,000 से भी अधिक स्टूडेंट्स की अद्भुत कम्युनिटी को इसी प्रकार प्रेरित करती रहेगी और उच्च शिक्षा के भविष्य को संवारती रहेगी।

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

-ललित गर्ग

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम ह्यस्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दशार्ती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को ह्यजय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धमार्नुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो सामने कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखों से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वाधिक नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद हमें भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख राजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरू करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही हैं, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पड़ौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच में अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

धार्मिक स्थलों को भव्य रूप ही नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सीमाओं की सुरक्षा भी बेखुबी हो रही है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछाया जा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बनाये जा रहे हैं, उन्नत सड़कों का जाल बिछ रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दिये जा रहे हैं, रोजगार, पर्यावरण-सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी हो रही है। मतलब वर्तमान शासन-नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व-संस्कृति, स्व-पहचान के दीपक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, नया आश्वास, नया विकास एवं सुखद जीवनशैली दे रही है।

भारत के संवैधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 76वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, नक्सलवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगावाद की कालिमा धूल रही है, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का यही स्वर्ण युग है ?

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने उद्घाटन के बाद, कहा कि वह अमेरिकी लोकतंत्र के दशकों के बाद ₹स्वर्ण युग₹ में प्रवेश कर रहे थे, और वह ₹स्वर्ण युग₹ में प्रवेश कर रहे थे और 6 जनवरी, 2020 को कैपिटल हिल पर सशस्त्र हमलावरों को जमानत देने से लेकर जन्म-आधारित अमेरिकी नागरिकता प्रणाली को समाप्त करने तक कई आदेश जारी किए। ट्रम्प ने अपने कई अभियान रैलियों में एक घोषणा दोहराई, यहां तक कि अपने उद्घाटन भाषण में, केवल दो लिंगों की आधिकारिक स्वीकृतिः पुरुष और महिलाएं। ट्रम्प का कदम उनके रूढ़िवादी, कट्टर और कड़ी मेहनत करने वाले समर्थकों के विचारों के अनुरूप था।

कू क्लक्स क्लान (केकेके), एक संगठन जो पिछली शताब्दी में धर्म के नाम पर अफ्रीकी अमेरिकी नागरिकों पर हमला करने और उनका वध करने के लिए खुले तौर पर काम कर रहा है, दशकों से खुले तौर पर काम कर रहा है, और आज केकेके के राजनीतिक वंशज धार्मिक, जातीय और यौन अल्पसंख्यकों पर हमला कर रहे हैं। ऐसे नव-नाजी, धार्मिक और जातीय राष्ट्रवादी समूहों ने ट्रम्प प्रशासन के तहत राजनीतिक समर्थन प्राप्त किया है। ट्रम्प प्रशासन पर रूढ़िवादी समूह का प्रभाव ₹आधिकारिक तौर पर केवल दो लिंगों को स्वीकार करने₹ के निर्णय में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है, जो कि अन्य यौन अल्पसंख्यकों को अस्वीकार करने के लिए है।

दक्षिणी गोलार्ध के कई देशों में ट्रांसजेंडर लोगों को इतिहास में शामिल किया जाता है, जिनमें परंपराएं और मिथक भी शामिल हैं, और यहां तक कि भारतीय भाषाओं में हिजड़ा और हिजड़े शब्द भी आसानी से दिखा सकते हैं कि लिंग की कई अन्य पहचानों का लिंग के अलावा अन्य परंपराओं में भी स्थान है। ट्रांस लोगों के साथ अभी तक हमारे समाज में समान व्यवहार नहीं है और उनके पास पर्याप्त सामाजिक मान्यता नहीं है, कम से कम उन्हें 'धर्म-विरोधी' के रूप में लेबल करने का अभियान लगता है।

हालांकि, चर्च के नेतृत्व वाले आधुनिक यूरोपीय साम्राज्यवाद ने समलैंगिकता और ट्रांसजेंडर पहचान को विधर्मी घोषित किया, और यौन अल्पसंख्यकों और ट्रांससेक्सुअल को सार्वजनिक रूप से दंडित किया गया, और धार्मिक साम्राज्य उन्हें धर्म-विरोधी व्यवहार के लिए मारने के लिए इतनी दूर चले गए, और धर्म के नाम पर यौन अल्पसंख्यकों पर हमला करने वाले समुदायों की जड़ें इस क्रूर परंपरा में थीं: एक महिला को मां होने का अधिकार नहीं होना चाहिए या नहीं। ये वही कट्टर समूह हैं जो इस तरह के आक्रामक प्रचार को फैला रहे हैं।

हालांकि, पिछले कुछ दशकों में, विभिन्न देशों में महिलाओं, यौन अल्पसंख्यकों और ट्रांसजेंडर समूहों ने संवैधानिक ढांचे से परे अपने मौलिक अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी है। छ्रङ्खळदकअ आंदोलन ने भी सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया है कि शिक्षा और स्वास्थ्य में समान अधिकार सभी के लिए न्यायसंगत और सुरक्षित जीवन का अधिकार है।हिंसा से मुक्ति और प्रेम के अधिकार के इंद्रधनुषी जीवन को बढ़ावा देने वाले इन समुदायों ने बहुसंख्यक समुदाय को भी कई मामलों में बुद्धिमान बनाया। उनके संघर्षों को विभिन्न कानूनों द्वारा मान्यता भी दी गई थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में, ओबामा-युग विवाह समानता अधिनियम एक उदाहरण है। यह स्वीकार करते हुए कि ₹कोई भी दो सभ्य व्यक्ति शादी कर सकते हैं,₹ कानून ने सैकड़ों यौन अल्पसंख्यक जोड़ों से शादी करने के अधिकार को मान्यता दी, लेकिन जैसे-जैसे सुधार लागू किए जा रहे थे, धार्मिक समूहों के बीच आक्रोश और घृणा तेजी से फैल रही थी। इन समूहों ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि ट्रांसजेंडर लोगों को शौचालय का उपयोग करने का अधिकार भी नहीं होना चाहिए। ट्रांसजेंडर लोगों को खेल आयोजनों से निष्कासित करने के अपने आक्रामक आग्रह में, वे समलैंगिक नहीं थे। वे अपनी पहचान पर भी सवाल उठाने लगे।

गुणसूत्र, हार्मोन और जननांग तीन जैविक कारक हैं जो किसी व्यक्ति की यौन पहचान निर्धारित करते हैं। तीनों मामलों में, हम एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में कई छोटे बदलाव देखते हैं। जाति, क्षेत्र, आनुवंशिकी भी इसमें भूमिका निभाती है। इसलिए यह आग्रह कि केवल दो यौन पहचान होनी चाहिए जहां कोई भी 'सामान्य'/आदर्श महिला या पुरुष नहीं है, पूरी तरह से निराधार है।कई अध्ययनों ने ट्रांससेक्सुअल पुरुषों और ट्रांससेक्सुअल गैर-बाइनरी व्यक्तियों के अस्तित्व के वैज्ञानिक आधार को साबित किया है। क्या एक लोकतांत्रिक सरकार ऐसी सरकार हो सकती है जो हमारे अपने किसी भी नागरिक के अस्तित्व को नकारती है? यह एक महत्वपूर्ण सवाल उठाता है। डोनाल्ड ट्रंप का एक और फैसला जो पुराने फैसलों को पलटते हुए कई लोगों ने मान लिया है कि जिन फैसलों का पूरी दुनिया और खासकर भारत पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। प्रमुख निर्णयों में से एक यह है कि ₹जन्मसिद्ध अमेरिकी नागरिकता₹ अब समाप्त कर दी जाएगी! अमेरिकी कानून गारंटी देता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा होने वाले प्रत्येक बच्चे या व्यक्ति को अमेरिकी नागरिकता मिलेगी, लेकिन ट्रम्प ने सत्ता में आते ही उस निर्णय को बदल दिया। ट्रम्प ने 20 फरवरी, 2025 को समय सीमा के रूप में निर्धारित किया है, जिसका अर्थ है कि केवल इस तिथि के भीतर संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा हुए बच्चों को जन्म से अमेरिकी नागरिकता का अधिकार होगा। हालांकि, इससे एक अजीब बात सामने आई हैः अमेरिका में सभी भारतीय (साथ ही अन्य) महिलाएं जो वर्तमान में गर्भवती हैं और जिनके निकट भविष्य में बच्चे पैदा होने की संभावना है, वे स्त्री रोग विशेषज्ञों और प्रसूति अस्पतालों में भाग गई हैं। वे कहते हैं, आप जो भी करें, हमारी डिलीवरी तुरंत करें। सिजेरियन सेक्शन करवाएं। लेकिन हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे का जन्म 20 फरवरी से पहले हो जाए। इनमें से कुछ गर्भवती महिलाएं अपने छठे, सातवें और आठवें महीने में हैं, जिसका अर्थ है कि वे अभी भी प्रीटरम डिलीवरी चाहती हैं, भले ही उनके बच्चे के जन्म के लिए एक से तीन महीने बाकी हों।

जिन गर्भवती महिलाओं को अभी तक ग्रीन कार्ड नहीं मिला है, वे सचमुच सिजेरियन डिलीवरी के लिए लाइन में लगी रहती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि हमारे पास कम से कम 50-100 गर्भवती भारतीय महिलाएं हर दिन सीजेरियन सर्जरी पर जोर देती हैं। ये महिलाएं और उनके पति और परिवार के सदस्य सुनने के लिए तैयार नहीं हैं, इस तथ्य के बावजूद कि अनावश्यक और लंबे समय से पहले सीजेरियन सर्जरी से बच्चे और मां की जान जा सकती है।

उन्होंने कहा, 'कोई कल्पना नहीं कर सकता कि हमने अमेरिका आकर ग्रीन कार्ड हासिल कर क्या किया लेकिन अगर हमारी मेहनत, मेहनत और सपने रातोंरात खत्म हो गए तो हम इसे कैसे बर्दाश्त करेंगे?..

ट्रंप ने कहा, 'अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए बर्थ टूरिज्म का सहारा लेने वालों के खिलाफ यह हमारा सबसे महत्वपूर्ण कदम है। जब किसी बच्चे को अमेरिकी नागरिकता मिलती है तो माता-पिता के लिए ग्रीन कार्ड प्राप्त करना आसान होता है, और अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने और वहां जन्म देने वाले लोगों की संख्या भी बहुत बड़ी होती है। यदि बच्चा अमेरिकी नागरिकता चाहता है, तो दंपति में से एक के पास अमेरिकी नागरिकता या ग्रीन कार्ड होना चाहिए, या वह अमेरिकी सेना में होना चाहिए! इस फैसले को अब विभिन्न अमेरिकी राज्यों द्वारा चुनौती दी जा रही है। एक संघीय न्यायाधीश जॉन कूग्नर ने निर्णय को अस्थायी रूप से निलंबित करके पहला कदम उठाया। एक डर है कि बहुसंख्यकवादी सरकार अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय करेगी। वह डर अब सच हो रहा है, इसलिए 'अमृत काल' में रहने वाले हमें समझना चाहिए कि यह स्वर्ण युग पाषाण युग की ओर ले जा रहा है।

आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है तिरंगा

-सुनील कुमार महला

छब्बीस जनवरी हमारे देश का राष्ट्रीय पर्व है।सभी जानते हैं कि 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था। हम सभी के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, क्यों कि इसी दिन भारत ने खुद को एक स्वतंत्र गणराज्य के रूप में स्थापित किया था। कहना गलत नहीं होगा कि यह दिन हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है, और हमें एक नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करता है। गौरतलब है कि इस दिन का महत्व सिर्फ हमारे देश के संविधान के लागू होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों की भी याद दिलाता है, जिन्होंने अपने संघर्षों और बलिदानों के जरिए हमें अंग्रेजी से आजादी दिलाई थी।भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्वों ने हमें अपने देश सेवा में पूरी निष्ठा, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठ होने का पाठ सिखाया। छब्बीस जनवरी के दिन हम सब देशवासी उन दूरदर्शी जन-नायकों, विद्वानों का कृतज्ञता-पूर्वक स्मरण करते हैं, जिन्होंने हमारे भव्य और प्रेरक संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था। कहना गलत नहीं होगा कि गणतंत्र दिवस, हमारे आधारभूत मूल्यों और सिद्धांतों को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। वास्तव में, छब्बीस जनवरी वह महत्वपूर्ण दिन है जो भारत के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार और लिखित संविधान के साथ एक गणतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है।सच तो यह है कि यह देश के संविधान और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और एकता जैसे इसके मूल्यों का जश्न मनाने का दिन है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे युवाओं के आत्मविश्वास के बल पर ही भावी भारत का निर्माण हो रहा है।आज भारत पचपन करोड़ से अधिक युवाओं के साथ विश्व का सबसे युवा देश है। अतः विशेषकर युवाओं को ध्वज के बारे में कुछ विशेष तथ्य जानने की जरूरत है।हर साल 26 जनवरी(गणतंत्र दिवस) को झंडा फहराया(फ्लैग अनफर्लिंग) जाता है और 15 अगस्त को ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) किया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग यह बात जानते होंगे कि ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) और झंडा फहराने(फ्लैग अनफर्लिंग) में अंतर होता है। तो आइए ! हम यहां यह जानते हैं दोनों में क्या फर्क और अंतर है ? पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) का कार्यक्रम 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन होता है। जानकारी के अनुसार, 1947 में इस दिन ही भारत में ब्रिटिश राज का झंडा नीचे उतारकर हमारे राष्ट्रीय ध्वज को ऊपर चढ़ाया गया था। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ध्वज को जब स्तंभ पर नीचे से ऊपर की तरफ चढ़ाया जाता है तो यह ध्वजारोहण कहलाता है। ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्र गान भी बजाया जाता है। वास्तव में, ध्वजारोहण किसी नए राष्ट्र के उदय का प्रतीक माना जाता है। इसे भारत के उदय और ब्रिटिश शासन के अंत के तौर पर भी चिह्नित किया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि लाल किले पर होने वाले कार्यक्रम यानी स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करते हैं।अब यहां प्रश्न यह उठता है कि 15 अगस्त के दिन आखिर प्रधानमंत्री ही लाल किले पर ध्वजारोहण क्यों करते हैं ? तो इसका सीधा सा उत्तर यह है कि राष्ट्रपति, भारत सरकार का संवैधानिक प्रमुख होता है।ऐसे में स्वतंत्रता दिवस पर भी उन्हें ही ध्वजारोहण करना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं होता। दरअसल, जब देश 1947 में आजाद हुआ था, तब भारत का कोई आधिकारिक राष्ट्रपति नहीं था। उस वक्त लॉर्ड माउंटबेटन भारत के गवर्नर थे और जवाहरलाल नेहरू को भारत का प्रधानमंत्री चुना गया था।चूंकि, माउंटबेटन ब्रिटिश सरकार के अफसर थे, इसलिए स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने का काम प्रधानमंत्री ने किया। तब से भारत के प्रधानमंत्री ही 15 अगस्त को लाल किले पर ध्वजारोहण कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर झंडा फहराना, मुड़े हुए या लपेटे हुए झंडे को खोलने या अनावरण करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। यह आमतौर पर झंडे को रस्सी से बांधकर और फिर रस्सी को खींचकर झंडा फहराने के द्वारा किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो गणतंत्र दिवस(26 जनवरी) के दिन झंडा पहले से ही खंभे पर ऊपर की ओर बंधा रहता है, और इसकी रस्सी खींच कर इसे फहराना होता है, इसी प्रक्रिया को झंडा फहराना कहा जाता हैं।इसके साथ फूलों की पंखुड़ियां भी लगी होती हैं, जिसके कारण तिरंगा फहराने पर पुष्प वर्षा होती है। यहां यह उल्लेखनीय है कि चूंकि हमारे देश का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था और राष्ट्रपति को देश का संवैधानिक प्रमुख कहा जाता है। ऐसे में हर साल देश के राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख के हाथों ही कर्तव्य पथ(पुराना नाम राजपथ) पर झंडा फहराया जाता है। उल्लेखनीय है कि 26 जनवरी को झंडा कार्यक्रम के दौरान परेड की शुरूआत से पहले राष्ट्रीय ध्वज को फहराया जाता है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि हम सभी को भारतीय ध्वज संहिता और इससे जुड़े नये नियमों के बारे में जानकारी होनी चाहिए, क्यों कि हमारा झंडा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और यह गरिमापूर्ण राष्ट्रीय प्रतीकों में से एक है। पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी, 2002 को लागू हुई और 30 दिसंबर, 2021 को इसमें कुछ संशोधन किए गए। गौरतलब है कि इससे पहले तक तिरंगा फहराने के नियम 'एम्बलेम्स एंड नेम्स (प्रिवेन्शन ऑफ इम्प्रॉपर यूज) एक्ट, 1950' और 'प्रिवेन्शन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 ' के तहत आते थे।नए कोड में राष्ट्रीय ध्वज को घर के खुले क्षेत्रों में फहराना शामिल है, जहाँ दिन और रात दोनों समय फहराया जा सकता है। भारतीय झंडा संहिता, 2002 में निहित मुख्य दिशा-निदेर्शों के अनुसार 'भारत का राष्ट्रीय ध्वज, भारत के लोगो की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और सबके मन में राष्ट्रीय ध्वज के लिए प्रेम, आदर और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण/प्रयोग/संप्रदर्शन राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित है। 30 दिसंबर, 2021 के आदेश द्वारा पॉलिएस्टर के कपडे से बने एवं मशीन द्वारा निर्मित राष्ट्रीय ध्वज की अनुमति दी गई। अब व्यवस्था है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काते गए और हाथ से बुने हुए या मशीन द्वारा निर्मित, सूती/ पॉलिएस्टर/ ऊनी/सिल्क/खादी के कपडे से बनाया गया हो। इतना ही नहीं अब कोई भी व्यक्ति, कोई भी गैर-सरकारी संगठन अथवा कोई भी शिक्षा संस्था राष्ट्रीय झंडे को सभी दिनों और अवसरों, औपचारिकताओं या अन्य अवसरों पर फहरा/प्रदर्शित कर सकता है, बशर्ते राष्ट्रीय झंडे की मयार्दा और सम्मान का ध्यान रखा जाये। इतना ही नहीं, भारतीय झंडा संहिता, 2002 को 20 जुलाई, 2022 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया एवं भारतीय झंडा संहिता के भाग- II के पैरा 2.2 की धारा (७) को निम्नलिखित धारा से प्रतिस्थापित किया गया-'जहाँ झंडे का प्रदर्शन खुले में किया जाता है या जनता के किसी व्यक्ति द्वारा घर पर प्रदर्शित किया जाता है, वहां उसे दिन एवं रात में फहराया जा सकता है','राष्ट्रीय झंडे का आकार आयताकार होगा। यह किसी भी आकार का हो सकता है परन्तु झंडे की लम्बाई ओर ऊंचाई (चौडाई) का अनुपात 3:2 होगा। इतना ही नहीं,जब कभी राष्ट्रीय झंडा फहराया जाये तो उसकी स्थिति सम्मानजनक और पृथक होनी चाहिए।फटा हुआ और मैला-कुचैला झंडा प्रदर्शित नहीं किया जाये। झंडे को किसी अन्य झंडे अथवा झंडो के साथ एक ही ध्वज-दंड से नहीं फहराया जाये। संहिता के भाग- क्कक्क की धारा-क में उल्लखित गणमान्यों जैसे राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि, के सिवाय झंडे को किसी वाहन पर नहीं फहराया जायेगा। किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय झंडे से ऊँचा या उससे ऊपर या उसके बराबर में नही लगाना चाहिए। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 राष्ट्रीय ध्वज, संविधान, राष्ट्रगान और भारतीय मानचित्र सहित देश के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को प्रतिबंधित करता है।

यदि कोई व्यक्ति अधिनियम के तहत विभिन्न अपराधों जैसे कि राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करना, भारत के संविधान का अपमान करना, राष्ट्रगान के गायन को रोकना आदि में दोषी ठहराया जाता है, तो वह 6 वर्ष की अवधि के लिये संसद एवं राज्य विधानमंडल के चुनाव लड़ने हेतु अयोग्य हो जाता है। गौरतलब है कि संविधान का भाग क्ष्-ए (जिसमें केवल एक अनुच्छेद 51-ए शामिल है) ग्यारह मौलिक कर्तव्यों को निर्दिष्ट करता है।अनुच्छेद 51ए(ए) के अनुसार, भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों एवं संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज तथा राष्ट्रगान का सम्मान करे। बहरहाल, यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से साल 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाए जाने के बाद से अब लोग अपने घरों पर भी तिरंगा फहराने लगे हैं।घर पर तिरंगा फहराते समय कुछ खास नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। ऐसा ना करने पर जाने-अनजाने में हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान हो सकता है, जो कि कानूनन जुर्म है। कुछ मामलों में तो इसके लिए तीन साल तक जेल भी हो सकती है। गौरतलब है कि अगर कोई व्यक्ति तिरंगे झंडे को पब्लिकली जलाता है, गंदा करता है, कुचलता है या नियम के खिलाफ जाकर ध्वजारोहण करते हुए पाया जाता है, तो उसे 3 साल की जेल या जुमार्ने की सजा अथवा दोनों भी हो सकती है।भारतीय झंडा संहिता के मुताबिक, कट-फटे तिरंगे को दफना देना चाहिए या फिर उसे एकांत में कहीं जलाकर नष्ट कर देना चाहिए।पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने 'फ्लैग कोड' के नियमों में दो बड़े बदलाव किये थे। पहला बदलाव ये किया गया कि तिरंगे को सूर्यास्त तक फहराने की बजाय अब रात में भी यानी 24 घंटे फहराया जा सकता है।दूसरा बदलाव ये किया गया कि पहले सिर्फ हाथ से बुने और काते ऊन, कपास या रेशमी खादी के तिरंगे फहराने की अनुमति थी। अब मशीन से बने कपास, ऊन या रेशमी खादी के तिरंगे भी फहराए जा सकते हैं। इतना ही नहीं, पॉलिएस्टर का झंडा भी फहरा सकते हैं।झंडा फहराते हुए हम सभी को यह याद रखना चाहिए कि यह आयताकार होना चाहिए और उसकी लंबाई-चौड़ाई का अनुपात 3:2 होना चाहिए। इसका मतलब है कि लंबाई, चौड़ाई से डेढ़ गुना होनी चाहिए। इतना ही नहीं, तिरंगा कभी भी जमीन को नहीं छूना चाहिए।झंडा फहराते समय केसरिया रंग हमेशा ऊपर की तरफ रहना चाहिए।यदि हम तिरंगे के साथ कोई और झंडा फहरा रहे हैं, तो हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि दूसरा झंडा राष्ट्रीय ध्वज से बड़ा या उसके बराबर नहीं होना चाहिए। हमें यह चाहिए हम झंडे को पानी में नहीं डुबाएं और उस पर कुछ भी लिखना भी गलत है। इतना ही नहीं,बिना सरकारी आदेश के झंडे को आधा झुकाकर नहीं फहराना चाहिए। पाठकों को बताता चलूं कि ध्वजारोहण के लिए इस्तेमाल तिरंगा खादी, सूती या सिल्क का हो तो बहुत अच्छा है, हालांकि 2022 के बाद अन्य मटेरियल से बना झंडा भी फहरा सकते हैं।

दलितों को लुभाने के लिए कांग्रेस का नया अभियान: जय बापू, जय भीम

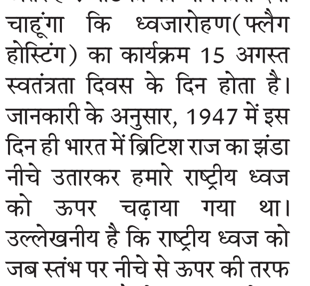

-अजय कुमार

कांग्रेस इन दिनों अपनी खोई हुई सियासी जमीन को दोबारा पाने के लिए जी-जान से जुटी हुई है। वर्षों से सत्ता के केंद्र में रही यह पार्टी, अब देश के हर हिस्से में अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही है। इसी क्रम में कांग्रेस ने ह्यजय बापू, जय भीम और जय संविधानह्ण नामक अभियान की शुरूआत की है। यह अभियान देशभर में कांग्रेस के लिए एक नई ऊर्जा का माध्यम बन रहा है, जिसका उद्देश्य दलित समाज के बीच अपनी पुरानी पहचान को फिर से स्थापित करना है। इस अभियान का आगाज दिल्ली के सीलमपुर से हुआ, फिर कर्नाटक के बेलगाम में इसकी गूंज सुनाई दी और अब अगला पड़ाव डॉ. भीमराव आंबेडकर की जन्मस्थली महू है, जहां 28 जनवरी को एक विशाल जनसभा होने वाली है।

इस अभियान के जरिए कांग्रेस ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं कि वह दलित समाज के दिल और दिमाग में एक बार फिर जगह बनाना चाहती है। आजादी के शुरूआती वर्षों में कांग्रेस दलितों के लिए सबसे बड़ा सियासी मंच हुआ करती थी, लेकिन अस्सी के दशक में बसपा के उदय के बाद यह समीकरण पूरी तरह बदल गया। उत्तर भारत के कई राज्यों में दलित वोट कांग्रेस से खिसककर बसपा की झोली में चले गए। वहीं, पिछले कुछ दशकों में बीजेपी ने भी दलितों के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ने में सफलता हासिल की। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने आरक्षण और संविधान जैसे मुद्दों के जरिए दलित समाज के बीच नई उम्मीदें जगाई थीं, और अब वह इस विश्वास को और मजबूत करने के लिए मैदान में उतर आई है।

कांग्रेस का यह कदम बसपा की राजनीति से प्रेरित नजर आता है। जिस तरह से बसपा ने नीला झंडा, हाथी का निशान और ह्यजय भीमह्ण के नारों से अपनी पहचान बनाई थी, उसी राह पर अब कांग्रेस भी चलती दिख रही है। कांग्रेस नेता, जिनमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हैं, नीला अंगवस्त्र धारण कर मंच साझा कर रहे हैं और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें मंच की शोभा बढ़ा रही हैं। जय भीम का नारा, जो कभी बसपा की पहचान हुआ करता था, अब कांग्रेस की सभाओं में गूंज रहा है। डॉ. आंबेडकर की राजनीतिक और सामाजिक विरासत आज केवल दलितों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत की राजनीति का केंद्र बन चुकी है। दलित समाज के लिए आंबेडकर एक प्रेरणा हैं, एक मसीहा हैं, और कांग्रेस इसे भलीभांति समझती है। यही वजह है कि आंबेडकर के नाम को लेकर कांग्रेस ने एक ठोस रणनीति बनाई है। बीजेपी नेता अमित शाह द्वारा आंबेडकर पर की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाकर बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इस मामले को लेकर न केवल बीजेपी पर निशाना साधा, बल्कि दलित समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की।

कांग्रेस का यह अभियान केवल एक राजनीतिक योजना नहीं है, बल्कि एक विचारधारा को फिर से जीवित करने की कोशिश है। यह अभियान उन दलितों तक पहुंचने का प्रयास है, जो मायावती के नेतृत्व में बसपा से निराश होकर अब सपा या बीजेपी के साथ जुड़ गए हैं। कांग्रेस का मानना है कि बसपा की कमजोर होती पकड़ के बाद दलित वोटर्स स्थायी रूप से किसी एक पार्टी से नहीं जुड़े हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास मौका है कि वह अपने पुराने कोर वोट बैंक को वापस हासिल कर सके।

2024 के लोकसभा चुनावों ने कांग्रेस के इस विश्वास को और मजबूत किया है। इन चुनावों में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने दलित बहुल क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। बीजेपी, जिसने 2014 और 2019 में दलित वोटों पर बड़ा कब्जा जमाया था, इस बार कमजोर पड़ी। सीएसडीएस के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बीजेपी को केवल 31% दलित वोट मिले, जो 2019 के मुकाबले 3% कम थे। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने दलित वोटों में बड़ा हिस्सा पाया। इन चुनावों में दलित बहुल 156 लोकसभा सीटों में से 93 सीटें विपक्षी गठबंधन के खाते में गईं। देश में दलित समाज की जनसंख्या का महत्व किसी से छिपा नहीं है। 2011 की जनगणना के अनुसार, दलितों की आबादी 17% है, जो 20 करोड़ से ज्यादा है। 543 लोकसभा सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, लेकिन दलितों का सियासी प्रभाव 150 से अधिक सीटों पर देखा जाता है। ऐसे में दलित वोट किसी भी पार्टी के लिए सत्ता तक पहुंचने की कुंजी हो सकते हैं। कांग्रेस के लिए यह समय निर्णायक है। दलित समाज के बीच अपनी खोई हुई जगह को पाने के लिए उसने पूरी ताकत झोंक दी है। इस अभियान के तहत न केवल बड़ी रैलियां और जनसभाएं आयोजित की जा रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। 28 जनवरी को महू में होने वाला कार्यक्रम इस अभियान का अहम हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे।

यह साफ है कि कांग्रेस दलितों को लुभाने के लिए पूरी तरह से बसपा की शैली को अपना रही है। इसके तहत पार्टी ने डॉ. आंबेडकर को अपने एजेंडे का केंद्र बनाया है और उनके नाम पर दलित समाज से संवाद स्थापित करने का प्रयास कर रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस का यह प्रयास कितना सफल होता है। लेकिन एक बात तय है, देश के बदलते सियासी परिदृश्य में दलित समाज के लिए कांग्रेस की यह कवायद एक नई सियासी दिशा तय कर सकती है।

डॉ. किशोर सिंह
चेयरमैन: समरस फाउंडेशन (रजि.)
उपाध्यक्ष: उत्तर भारतीय संघ (रजि.)
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
महासचिव
मुंबई कांग्रेस
सम्पर्क: 09820319319

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रमेश प्रजापति
व्यवसाई/समाजसेवी
संध्या इंटरप्राइजेज
दिवा, ठाणे, महाराष्ट्र

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
कैलाश चंद्रधारी यादव
(राष्ट्रीय प्रवक्ता)
उत्तर यादव युवा संघ
कार्यालय: साई पूजा चाळ नं. 1, रूम नं.1, आर.के.टी. स्कूल जवळ, कैलाश नगर कल्याण (पूर्व)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
हिंदी व मराठी पत्रवाहिनी
त्रिलोक विवेचना
संदीप त्रिलोकीनाथ शुक्ला
(संपादक)
त्रिलोक विवेचना (हिंदी एवं मराठी) साप्ताहिक

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रफीक जि. खान
(पत्रकार)
उत्तरशक्ति(हिन्दी दैनिक)
बोईसर, पालघर, महाराष्ट्र

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री चन्द्रशेखर धुरी
मा. सरपंच
वसई रोड शहर
मा. नगरसेवक
वसई विरार
विधानसभा प्रमुख
व उद्योगपति

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. राजेंद्र कुमावत SMO IInd
(ब्लॉक नोडल अधिकारी उदयपुरवाटी)
चेतन कुमावत चिराना
(बीएससी. नर्सिंग एण्ड डी. फार्मा)
फर्म: श्री गणेश मेडिकल स्टोर,गणेश मंदिर के पास, सीकर रोड़ चिराना (झुंझुनूं) पिन- 333303
मो.- 7976819934, 9784177717
हेल्थ केयर: आयुर्वेद से आरोग्य की ओर--

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नरेन्द्र सोनी
(पत्रकार)
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)

हिंदी सामाजिक संस्था
की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं
संतोष तिवारी
संस्थापक
अविनाश पांडेय
अध्यक्ष

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
PS NEWS
पवित्र समय अखबार की १४वीं वर्षगांठ पर सभी पाठकों शुभचिंतको व विज्ञापन दाताओं द्वारा मिल रहे शुभकामना संदेश के लिये सभी का आभार व धन्यवाद।
मुकेश रामजी पांचोली
संपादक
पवित्र समय प्रिंट& डिजिटल मीडिया परिवार

MOIZ SHAIKH
कडून सर्वांना
76 व्या प्रजासत्ताक दिनाच्या
हार्दिक शुभेच्छा
MOIZ SHAIKH
Frontline Passport Consultancy
DAHANU
9860424860

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
तुलसी राम केवट
औद्योगिक शहर बोइसर, आजाद नगर पं., पालघर (महाराष्ट्र)
मो.- 9764299808
* केवट सामाजिक सेवा- फाउंडेशन संस्थापक अध्यक्ष
* शिव तेज मित्र मंडल -संस्थापक अध्यक्ष
* शिव मंदिर व शीतला माता मंदिर- संस्थापक अध्यक्ष
* उत्तर भारतीय मोर्चा भाजपा महाराष्ट्र- प्रदेश कार्य करणी सदस्य
* ठाणे जिला सह प्रभारी- भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा
* भारतीय जनता पार्टी पूर्व प्रत्याशी- जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर 39, मछली शहर जौनपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. भोलानाथ चौहान
सचिव
राम सूरत राजभर
विधान परिषद सदस्य उ. प्र.
उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ मुंबई

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
उत्तरशक्ति
(हिन्दी दैनिक)
गुजरात
केविन नाईक (पत्रकार)

सुखबिंदर सिंह (लाला भाई)
समाज सेवी/पत्रकार
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिंद कुमार प्रजापति
मो. शोएब खान

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
BJP
श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित
आमदार, वसई रोड

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
NITYA ANIMAL AND SOCIAL SERVICES COMMITTE
जल, जंगल और जानवर की सुरक्षा
अवधेश मिश्रा(रिक्की)
संस्थापक/अध्यक्ष
मो.- 8850635747
Address: Pipari Sarai ganhi, Pratapgarh (UP) 230403
Salter House: Vaidya Patti, P.O. Premdhar Patti (Barghat) Pratapgarh(UP) 23027

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विजय भान सिंह
(वरिष्ठ समाजसेवी)
चेयरमैन: जानवी ब्रश कंपनी
उपाध्यक्ष: उत्तर भारतीय भाजपा वसई विरार शहर महानगर
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष: उत्तर भारतीय विकास मंच

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. बाबूलाल सिंह
समाजसेवी
डा. सचिन सिंह
समाजसेवी
मुलुंड, मुंबई (महाराष्ट्र), मो. 9224244661

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनिल यादव
पत्रकार
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक, मुंबई

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
तारकेश्वर पाण्डेय
(पत्रकार)
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।
26 JANUARY REPUBLIC DAY
समस्त देशवासियों को
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ
अजय प्रजापति
संस्थापक अध्यक्ष / समाजसेवक
सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट, NGO मुंबई, कल्याण
8097672809
Ajay Prajapati, Mumbai ajayspst ajayprajapatimumbai

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शशिकान्त यादव
पत्रकार
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)
मुलुंड, थाना, महाराष्ट्र

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ओडेसी कोआपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि.
के. आर. मिश्र (चेयरमैन)
वरिष्ठ समाज सेवी: वडाला, महाराष्ट्र

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
राजकुमार अग्रहरि
पत्रकार
माटुंगा, मुंबई

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
मां विंध्यवासिनी मंदिर सेवा ट्रस्ट (सायन कोलीवाड़ा म्हाडा कालोनी) मुंबई
भरत भाई शुक्ला(अध्यक्ष)

चंद्र प्रताप प्रजापति (सी.पी.)
(सेवानिवृत्त-उप प्रबंधक एमटीएनएल)
सह संपादक
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक) मुंबई
गणतंत्र दिवस हार्दिक शुभकामनाएं
* पूर्व विशेष कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र शासन
* संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष: प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.
* राष्ट्रीय महासचिव: अ. भा. प्रजापति कुंभकार संघ रजि. दिल्ली
* जिला अध्यक्ष रायगड: अपना पूर्वांचल महासंघ रजि. महाराष्ट्र
* जिलाध्यक्ष रायगड: पुलिस गृहरक्षक संघर्ष समिति रजि. महाराष्ट्र

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रेम जोशी
पत्रकार
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक
गालानगर, नालासोपारा ईस्ट, पालघर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अशोक मोदी
पत्रकार/समाजसेवी
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक, मुंबई

निर्मला फाउण्डेशन
की तरफ से
समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
महासचिव
डॉ. अमर बहादुर पटेल
कार्याध्यक्ष
चंद्रवीर बंशीधर यादव
अध्यक्ष
शशिकला पटेल

B.S.V.S.
बिंद समाज विकास संघ
ओमप्रकाश बिंद
राष्ट्रीय महासचिव
डॉ. शेखर बिंद
राष्ट्रीय अध्यक्ष
बिंद समाज विकास संघ
सभी देश वासियों को 76 वे वर्ष गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
26th JANUARY HAPPY REPUBLIC DAY

सशक्त पंचायत, विकसित बिहार के लिए स्वास्थ्य और कृषि की योजनाएं अहमः मंगल पांडेय

पटना। बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने शुक्रवार शाम वर्चुअल माध्यम से 4 जिलों सिवान, सारण, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर के 69 प्रखंड के 1200 पंचायत के मुखिया से सीधा संवाद किया। इस संवाद का उद्देश्य साल 2047 तक सशक्त पंचायत, विकसित बिहार की दिशा में स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में समग्र विकास को सशक्त बनाना है। इस दौरान वर्चुअल माध्यम से जुड़कर सभी मुखिया के सुझावों को माननीय मंत्री ने सुना और अपनी बातें सबके सामने रखीं। श्री पाण्डेय ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसके तहत आर्थिक समृद्धि, सामाजिक उन्नति, पर्यावरण स्थिरता और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार प्रमुख घटक हैं।

श्री पांडेय ने कहा कि पंचायत स्तर पर सामुदायिक भागीदारी और नेतृत्व इन लक्ष्यों की प्राप्ति में अहम भूमिका निभाएगा। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में राज्य सरकार बिहार को स्वस्थ बिहार, समृद्ध बिहार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें मुफ्त एंबुलेंस सेवा, मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता योजना, बाल हृदय योजना, बाल थैलेसीमिया योजना, सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बालिका कैंसर

प्रतिरक्षण योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएं और आशा कार्यकताओं, एएनएम, सीएचओ जैसे स्वास्थ्यकर्मियों को अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने पंचायत स्तर पर टीबी मुक्त करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए सभी को बधाई दी।

श्री पांडेय ने कृषि क्षेत्र में नवाचार और सुधार पर भी चर्चा करते हुए कहा कि बिहार की अर्थव्यवस्था में कृषि का बड़ा योगदान है और इसे सशक्त बनाने के लिए सरकार ने कई कदम उठाएं हैं। कृषि यांत्रिकरण योजना के तहत किसानों को 40 से 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। पंचायत स्तर पर कृषि यंत्र बैंक स्थापित किए जा रहे हैं। जल संरक्षण और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित कर किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। कृषि रोडमैप 2023-28 के तहत कृषि शक्ति उपलब्धता को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। मूल्य समर्थन योजना के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाकर किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिया जा रहा है। कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देकर रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जा रहे हैं।

पीडीएस डीलर के अनिश्चित कालीन आमरण अनशन का पांचवां दिन भी जारी रहा

◆दीपांकर भट्टाचार्य

अनशन स्थल पर आकर अनशनकारी से स्वास्थ की जानकारी लिए, कहा मांग जायज है

पटना। जन वितरण विक्रेता अपनी लंबित मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में आज पांचवां दिन भी आमरण अनशन जारी रखा। वहीं गर्दनीबाग धरना स्थल पर उढक माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भटाचार एवं विधायक डा संजीव सौरव ने जन वितरण विक्रेता के अनशनकारी अंबिका यादव से मिलकर स्वस्थ की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि डीलर की मांग जायज है पार्टी की ओर से इस मुदा को जोरदार तरीका से सड़क से सदन तक उठाएंगे। फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री दयानंद प्रसाद ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अनशनकारी अंबिका यादव का स्वास्थ काफी बिगड़ चुका है, इलाई भी कराने से मना कर रहे है जबकि सरकार के तरफ से कोई पहल नहीं किया जा रहा है यहां तक कि इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं किया गया है इसकी पूरी जवाबदेही सरकार की होगी। वहीं अनशन स्थल पर प्रदेश के कई जिलों से आए जन वितरण विक्रेता ने सभा को घनश्याम प्रसाद, शशि कांत, दिलीप कुमार सहरसा से पूजा चौधरी, आसाराम से अमृत मौर्य , सीतामढ़ी से राजीव कुमार , जहानाबाद से गिरीश शर्मा सहित दर्जनों विक्रेताओं ने संबोधित किया। विक्रेता की प्रमुख मांग एसएफसी गोदाम से विक्रेता के गोदाम तक बैग के वजन के साथ अनाज का पूर्ण वजन मिलना चाहिए। अनुकंपा में उम्र सीमा समाप्त करना। सरकार द्वारा जन वितरण विक्रेताओं को दुकान संचालक करने के कार्य के लिए कम से कम ?30000 प्रति माह मानदेय दिया जाए, जन वितरण विक्रेता के द्वारा केंद्र के संचालन के लिए दुकान का किराया और दुकान से जुड़ी स्टेशनरी और बाकी व्यवस्थाओं से जुड़ी वस्तुओं के लिए सरकार द्वारा एक उचित राशि प्रदान की जाए, पोस मशीन से जुड़ी किसी भी समस्या या मरम्मत के लिए विक्रेता को राशि मुहैया किया जाए प्रमुख मांग समलित है।

7 मेडल के साथ बिहार का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा

पटना। पटना के गंगा पथ पर, 22 से 24 जनवरी तक बिहार में पहली बार आयोजित 68 वीं नेशनल स्कूल गेम्स साइकिलिंग (रोड) चैम्पियनशिप 2024-25 का आज समापन हो गया । आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक तथा विशिष्ट अतिथि, खेल विभाग के निदेशक महेन्द्र कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित और प्रोत्साहित किया ।नेशनल स्कूल गेम्स रोड साइकिलिंग में कुल 51 पॉइंट्स के साथ राजस्थान प्रथम,31 पॉइंट्स के साथ महाराष्ट्र द्वितीय तथा 17 पॉइंट्स के साथ हरियाणा तृतीय स्थान पर रहा । 15 पॉइंट्स के साथ बिहार चौथे स्थान पर रहा जो बिहार का स्कूल गेम्स साइकिलिंग में अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बिहार के खिलाडियों ने कुल 7 पदक जीते जिसमें से 5 लड़कियों ने जीता है। इसके पूर्व 2011 में इस प्रतियोगिता में 1 पदक मिला था बिहार को ।आज प्रतियोगिता के

तीसरे दिन के परिणाम इस तरह रहेः-

बालिका अंडर-17 आयु वर्ग 20 किलोमीटर मास स्टार्ट में महाराष्ट्र की गायत्री चन्द्रशेखर प्रथम,महाराष्ट्र की ही आभा श्रीराम सोमन द्वितीय, तमिलनाडू की हशानी के ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि अंडर 14 बालिका वर्ग के 15 किलोमीटर में हरियाणा के दीपांशु प्रथम, राजस्थान के धमार्राम शरण द्वितीय एवं बिहार के रितिक कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ' अंडर 19 बालक वर्ग 45 किलोमीटर रेस में महाराष्ट्र के हरीश दीपक डोबाली प्रथम एव निहाल मुसा नदाफ द्वतीय, कर्नाटक के विरपा नावेली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया । आज की प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि शीर्षत कपिल अशोक तथा विशिष्ट अतिथि महेन्द्र कुमार के अलावा अमरेन्द्र लांबा, प्रतियोगिता निदेशक साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, जगजीवन सिंह, अध्यक्ष साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ बिहार, कौशल किशोर सिंह सचिव तथा उपाध्यक्ष विक्रम आदित्य , साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ बिहार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

कर्पुरी ठाकुर ने राज्य में समाजिक बिषमता को समाप्त कर समतामुलक समाज का स्थापना किया: पशुपति कुमार पारस

पटना, (संवाददाता)। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री, भारत रत्न जन नायक कपुर्री ठाकुर की 101वी जयंती राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की उपस्थिति में एवं राज्य कार्यालय विधायक कॉलोनी पटना में केन्द्रीय संसदीस बोर्ड के अध्यक्ष पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की मौजुदगी में पार्टी के नेताओं एवं पदाधिकारियों कार्यकताओं के द्वारा धुमधाम से मनाई गई। कपुर्री ठाकुर के तैल्य चित्र पर सभी नेताओं ने अपना श्रद्धासुमन अर्पित किया। कपुर्री ठाकुर के जीवनी को याद करते हुए पशुपति कुमार पारस ने कहा कि उन्होने अपना संपुर्ण जीवन शोषितों, पीडितों, पिछडों, दलितों और सदीयों की मार से त्रस्त वंचित समाज के लोगो के लिए सर्म्पित कर दिया। पारस ने कहा कि कपुर्री ठाकुर ने राज्य में समाजिक बिषमता को समाप्त कर समतामुलक समाज का स्थापना किया। कपुर्री ठाकुर के जीवन को स्मरण करते हुए केन्द्रीय संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष सुरजभान सिंह ने कहा कि कपुर्री जी को दलितों किसानों, मजदूरों के रहनुमा के रूप में हमेशा याद किया जायेगा। उनका संपुर्ण जीवन समाज के अंतिम पैदान पर खडे लोगो के लिए सर्म्पित था। प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद प्रिंस राज पासवान ने कहा कि कपुर्री ठाकुर बिहार ही नहीं देश के महान नेता थे वे महान कर्मयोगी थे, गॉधी, लोहिया और

जय प्रकाश के संघर्ष और सपनों को कपुर्री जी ने अपने जीवन काल में जमीन पर उतारने का काम किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने कहा कि कपुर्री जी आज हमारे बीच नहीं है लेकिन उनका दर्शन उनका संदेश, उनकी विचारधाराए, उनके उच्च आर्दश हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी। प्रधान महासचिव केशव सिंह ने भी कपुर्री जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कपुर्री जी किसी परम्परा के वाहक नहीं थे वे स्वयं अपने आप में एक प्रतिष्ठित परम्परा थे। जंयती के अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विरेश्वर सिंह, अम्बिका प्रसाद बीनू, दलित सेना के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम कुमार दाहा, उपेन्द्र यादव, रंजीत पासवान, राजेश कुमार सिंह, चन्दन गॉधी राधाकान्त पासवान, शिवनाथ पासवान, सूरज पासवान, दीनबन्धु मिश्रा, देवेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, गोल्डन सिंह, रामपुकार पासवान, विजय पासवान, बबलु पासवान, अंकित दुबे, प्रहलाद पासवान, चन्दन कुमार, मधुर कुमार राय, सदाम हुसैन, पवन वर्मा, रवीन्द्र पासवान, एवं यशवन्त सिंह, सहित सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भारतरत्न जननायक कपुर्री ठाकुर के तैल्यचित्र पर पुष्पाजंली देकर उनको अपना श्रद्वासुमन अर्पित किया।

संक्षिप्त समाचार

जदयू नेता मनोज लाल दास मनु की माता का पारस हॉस्पिटल पटना में निधन

पटना। जेडीयू नेता मनोज लाल दास मनु की माता तारा देवी का आज निधन हो गया। सुबह अचानक तबियत बिगड़ने पर पटना के निक्सी अस्पताल पारस हॉस्पिटल लाया गया जहां डॉक्टरों के अथक प्रयास के बावजूद नहीं बचाया जा सका। मधुबनी जिलान्तर्गत मधेपुर निवासी स्व आर के लाल दास जो बी एस एन एल के रिटायर्ड अधिकारी थे उनकी पत्नी थी तारा देवी। चिचड़ी राजनगर निवासी स्व राम चंद लाल दास की पुत्री थी। 78 वर्षीय तारा देवी अपने पिछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई है। तारा देवी के निधन पर न्याय मंच के संस्थापक पवन राठौर ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से समाज ने एक धर्म परायण और सामाजिक महिला को खो दिया। वे काफी पढ़ी-लिखी व मृदुभाषी महिला थीं। वे सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर भाग लेती थीं। हमसब को उनका स्नेह-प्यार आशीर्वाद हमेशा मिलता रहा। हमसभी काफी मर्माहत हैं और ईश्वर से प्रार्थना है कि अपने चरणों मे पुण्यात्मा तारा देवी को स्थान दें । न्याय-मंच उनको सादर नमन के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करता है ।उनके निधन पर मंच के सदस्यों में अधिवक्ता रविप्रकाश, विशाल राज, दुर्गेश दुबे, संजय सिंह, दीपक कुमार, केशव पांडेय, रूपेश कुमार, उत्तम कुमार, मनीष लालदास, राजीव कर्ण, मिथिलेश कर्ण, अमन अमित, आशीष, ध्रुव, दिव्यम, श्रीयम,प्रियम, आदि ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है। उधर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला प्रकोष्ठ की महासचिव डॉ आरती सुमन चौधरी, मिशन टू करोड़ चित्रांश के अनिल कर्ण, राजेंद्र कर्ण, राजेश कंठ, डी के कर्ण, कर्ण कायस्थ कल्याण मंच के के बी लाल , बैधनाथ लाल दास, सुनील कुमार कर्ण समेत अनेकों लोगों ने गहरा दुःख जताया है। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना की उनके परिजनों को दुःख सहने की शक्ति दे।

रुपया सबसे कमजोर प्रदर्शन वाली मुद्रा बनी

पटना, (संवाददाता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार में रुपया सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गई है। नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालते ही जो रुपये का अवमूल्यन शुरू हुआ है। वह अभी तक नहीं रुक पाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पिछला वकतव्य याद करना चाहिए और रुपये की गिरावट पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए। रुपये के अवमूल्यन से महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। भाकपा राज्य सचिव ने बयान जारी कर कहा कि मूडीज रेटिंग्स ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि पिछले 2 वर्षों में भारतीय मुद्रा लगभग 5 प्रतिशत और पिछले पांच वर्षों में 20 प्रतिशत गिरकर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गई है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में लगातार गिरावट देखने को मिली है। हाल ही में रुपया 86.70 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक आ गया था। मूडीज ने गिरते रुपये के प्रभावों को समझने के लिए भारत की 23 कंपनियों का आकलन किया है ।भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में लगातार गिरावट से लोगों के जीवन यापन पर असर पड़ रहा है। खाद्य वस्तुओं की कीमत लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद केंद्र सरकार रुपये की कीमत में गिरावट पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।

पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कपूर्री जी के प्रयास आज भी प्रासंगिक : डॉ. जायसवाल

पटना, (संवाददाता)। पूर्णिया स्थित भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में भारत रत्न से सम्मानित बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और सामाजिक न्याय के पुरोधा जननायक कपूर्री ठाकुर जी की 101वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने दीप प्रज्वलन और जननायक कपूर्री ठाकुर जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकताओं और आम नागरिकों ने उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने जननायक कपूर्री ठाकुर जी को नमन करते हुए कहा कि ‌‌‌"जननायक कपूर्री ठाकुर जी ने अपने पूरे जीवन में समाज के शोषित, वंचित, और गरीब वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। वे

सामाजिक न्याय के वास्तविक ध्वजवाहक थे, जिन्होंने पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। उनकी सादगी, ईमानदारी, और त्याग हर भारतीय के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने आगे कहा की ‌‌"कपूर्री ठाकुर जी ने अपने जीवन में न केवल सामाजिक समरसता का संदेश दिया, बल्कि समाज में समानता और समावेशिता के सिद्धांतों को भी मजबूती से स्थापित किया। उनके आदर्श आज भी हमें सही दिशा में कार्य करने और समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने की प्रेरणा देते हैं।

जननायक कपूर्री ठाकुर जी के योगदान को याद करते हुए डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि गरीबों, शोषितों, और वंचितों को न्याय दिलाने के लिए अपने जीवन में उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के क्षेत्र में पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक नीतियां बनाईं। उनकी 'सामाजिक न्याय की नीति' और 'समान शिक्षा व्यवस्था' आज भी प्रासंगिक हैं। डॉ जायसवाल ने उनकी सादगी और ईमानदारी को आज के समय में सभी जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों के लिए आदर्श बताया।

उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसेवा के प्रति समर्पण से समाज में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। डॉ. दिलीप जायसवाल ने आह्वान किया आइए, हम सभी उनके आदर्शों को अपनाएं और उनके दिखाए गए मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और न्याय पहुंचाने का प्रयास करे। इस कार्यक्रम के अवसर पर पूर्णिया सदर के विधायक श्री विजय खेमका,भाजपा जिला अध्यक्ष श्री मनोज सिंह,और जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष श्री राकेश कुमार सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कर्मियों ने आज संवाद सभागार में मतदाताओं द्वारा ली जाने वाली शपथ ली

पटना, (संवाददाता)। सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कर्मियों ने आज संवाद सभागार में मतदाता द्वारा ली जाने वाली शपथ ली जो निम्नवत हैः हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे ।ज्ञातव्य है कि अपर सचिव श्री संजय कृष्ण के नेतृत्व में शपथ ली गई जिसमें विभाग के सभी कर्मी उपस्थित थे। विदित हो कि दिनांक-25 जनवरी को मतदाता शपथ दिवस मनाया जाता है लेकिन सचिवालय कार्यालयों में 25 जनवरी को शनिवारीय अवकाश की वजह से बिहार सरकार के निदेशानुसार एक दिन पूर्व यह समारोह किया गया।

असाधारण प्रतिभा के मनीषी विद्वान थे पं राम नारायण शास्त्री : पूर्व राज्यपाल

पटना (संवाददाता)। असाधारण प्रतिभा के मनीषी विद्वान थे पं राम नारायण शास्त्री । वे एक महान हिन्दी सेवी ही नहीं, संस्कृत के महापंडित और प्राच्य साहित्य के महान अन्वेषक भी थे। वे साहित्य, समाज और राजनीति में भी अपना विशिष्ट स्थान रखते थे। उनकी सरलता और विनम्रता अनुकरणीय थी। उनका संपूर्ण जीवन समाज को अर्पित था। वे राष्ट्रभाषा परिषद के निदेशक और उच्च कोटि के वक्ता भी थे।यह बातें बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में पं राम नारायण शास्त्री स्मारक न्यास के तत्त्वावधान में आयोजित स्मृति-सह-सम्मान समारोह का उद्घाटन करते हुए, सिक्किमके पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कही। इस अवसर पर, उन्होंने सुप्रतिष्ठ विचारक देवव्रत प्रसाद तथा संस्कृतिकर्मी-पत्रकार हृदय नारायण झा को 'अक्षर-पुरुष पं

राम नारायण शास्त्री स्मृति सम्मान' से अलंकृत किया। शास्त्री जी की विदुषी भार्या पुण्य-ऋचा ईश्वरी देवी की स्मृति में प्रतिवर्ष दिया जाने वाला 'ईश्वरी देवी सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञ छात्रा पुरस्कार' किशनपुर, सुपौल की छात्रा दीपिका कुमारी को प्रदान किया गया। उसे २५५१ रु की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। समारोह के मुख्य अतिथि और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि पुण्य-श्लोक शास्त्री जी की स्मृति में विगत ४६ वर्षों से हो रहा यह यज्ञ अत्यंत प्रेरणास्पद है। अपने पिता की स्मृति में जो कार्य अभिजीत कश्यप जी ने किया है, वह 'श्रवण कुमार' की भाँति आदरणीय है। अभिजीत जी को 'श्रवण कुमार सम्मान' से विभूषित किया जाना चाहिए। साहित्य सम्मेलन को यह कार्य अपने हाथ में लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित किए गए दोनों विद्वान समाज की वर्षों से बहुविध सेवा कर रहे हैं और समाज के लिए प्रेरक हैं।

सभा की अध्यता करते हुए, सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कहा कि शास्त्रीजी एक प्रणम्य साहित्यिक साधु-पुरुष थे, जिनका अवतरण और लोकांतरण एक ही दिन, २४ जनवरी को हुआ। ऐसा सुयोग ईश्वरी कृपा-प्राप्त विभूतियों के जीवन में ही घटित होता है। यह भी अद्भुत संयोग है कि उनकी पत्नी का नाम ईश्वरी देवी था और उनका भी तिरोधान २४ जनवरी को ही हुआ। शास्त्री जी ने जिस प्रकार प्राच्य-साहित्य की दुर्लभ पोथियों और पांडुलिपियों का अन्वेषण, अनुशीलन और सूचीकरण किया वह अप्रतिम है। वे बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री भी रहे। अपने कार्यकाल में उन्होंने अनुशीलन और शोध-साहित्य के संकलन में अत्यंत मूल्यवान कार्य किए। उनके कारण सम्मेलन का पुस्तकालय बहुत समृद्ध हुआ। विधाता की उन पर विशेष कृपा थी। पं शास्त्री के पुत्र और न्यास के प्रमुख न्यासी अभिजीत कश्यप ने न्यास की गतिविधियों के संबंध में अपना प्रतिवेदन पढ़ा तथा सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। पद्मश्री विमल जैन, सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कान्त ओझा, डा मेहता नगेंद्र सिंह, शास्त्री जी की पुत्रवधु प्रो रेणु कश्यप आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन गौरव सुंदरम ने किया।

सभा के अंत में कुछ पलों का मौन रख कर पं शास्त्री के सद्यः दिवंगत पुत्र स्मृति-शेष अमिताभ कश्यप को श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर, अधिवक्ता विवेकानन्द प्रसाद सिंह, सुषमा साहू, अभिनव तथागत, प्रभुदत्त शर्मा, मुरारी प्रसाद सिंह, विवेक कुमार गुप्ता, मो नकी इमाम,समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

शाहगंज में किसी बड़े हादसे का इंतजार बिजली विभाग का जुगाड़

शिव कुमार प्रजापति की रिपोर्ट

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति) पूर्वांचल विद्युत निगम ने जुगाड़ का हद पार कर दिया है कहीं बॉस के सहारे विद्युत व्यवस्था तो कहीं 11000 हाई वोल्टेज के खंभे को खंभे से सहारा। शाहगंज नगर के खास भादी जेडएफएम प्लाजा गली में लिंक मार्ग चौराहे पर स्थित तारों के जंजाल के बीच हाई वोल्टेज 11000 का खुला तार आबादी के बीच से गुजरी है। कहीं पर तार के नीचे घर तो कहीं पर तार के ऊपर जी हां यह है शाहगंज विद्युत विभाग की जुगाड़ व्यवस्थाओं के बीच शाहगंज की आबादी खतरों में रहने को मजबूर है। निरंतर इसी रास्ते से होकर आसपास के लोगों का आवागमन भी होता है। जिससे बड़ा खतरा बना हुआ है यदि समय रहते ठीक नहीं हुआ तो बड़ा हादसा हो सकता है। आखिर प्रदेश में कई करोड़ की बजट के बाद भी आखिर यह हालत खम्भों का नगर क्षेत्र में क्यों बना है। बॉस के सहारे विभिन्न जगहों पर बिजली के तार लटकती दिखाई पड़ते हैं। जिससे दो पहिया वाहन चलाना भी मुश्किल है। जो नगरी क्षेत्र के गलियों में अधिकांशतः नजर आते हैं। भादी निवासी मोहम्मद असद ने खंभे को दिखाते हुए किसी बड़े खतरे की आशंका जाहिर किया और खंबे के सहारे खंबे को लटकता देख प्रशासन की लापरवाही जाहिर किया।

कलावती देवी क्षेत्रीय निवासी भादी

11000 हाई वोल्टेज तार का खंभा खंबे से बधा है, तारों के सहारे मात्रा टिका है। कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।
कई बार शिकायत किया गया परंतु विभाग ध्यान नहीं देता। प्रशासन ध्यान दे

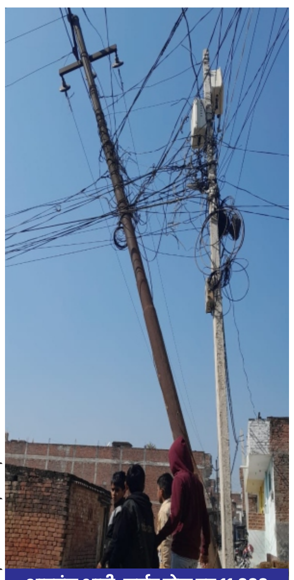
शाहगंज भादी: जर्जर पोल पर 11,000 वोल्ट की लाइन

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जौनपुर

राष्ट्रीय पर्व गणातत्र दिवस 26 जनवरी 2025 के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद परिवार की ओर से जौनपुर नगरवासियों से पालिका निम्नलिखित अपील करती है

1.गृहकर, जलकर व जलमूल्य का भुगतान 31 मार्च 2025 से पहले पालिका को करते हुए छूट का लाभ उठायें।
2. दुकानों होटलों, रेस्टोरेन्ट मार्निंग होम, हास्पिटल पर देय किराया व लाईसेन्स शुल्क की अदायगी समय से पालिका में करे।
3. अपने-अपने घरों से निकलने वाले दैनिक फूड़ों को समय से निर्धारित स्थल व कूड़ेदान में फेंके इधर-उधर तितर-वितर न करें। झडू लगने के पश्चात कूड़ा व कचरा कदापि सड़कों व पटरियों पर न फंके अपने दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने कूड़ादान अवश्य रखें।
4. सडक, पटरियों, नालियों व नालों पर किसी प्रकार का स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण न करें।
5.पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगायें।
6.जन्म-मृत्यु का पंजीकरण 21 दिवस के भीतर नगर पालिका में अवश्य करायें।
7.अपने घरो के पेयजल नल की टोटी को खुला न छोडकर मेयजल का अपव्यय न करें। खुली टाटी पाये जाने व जल का अपव्यय करने हेतु पाये जाने पर नियमानुसार सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।
8.नगर में लगे स्ट्रीट लाईट व विद्युत उपकरणों को क्षति व नुकसान से बचायें।
9.प्रतियन्धित पॉलिथिन, थर्माकोल, दोहरा, चायनीज मंडी के खरीद, विक्री, स्टोरेज व उपयोग वर्जित है.इसका उपयोग कदापि न करें यह गम्भीर अपराध है पकडे जाने पर जुर्माना भरना पड़ेगा।
10. देय करों गृह कर एवं जलकर का भुगतान समय से करें तथा आनलाईन करें
11.डोर-टू-डोर फूडा कलेक्शन में नगर पालिका कनियों का सहयोग करें।
12. शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच कदापि न करें. इससे बिमारी फैलती है।

(पवन कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, जौनपुर

(मनोरमा मौर्या)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

समस्त मान्य सभासद
नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

संख्या- 1502/तीन-सामा०/2024-25   दिनांक- 24 जनवरी, 2025
अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

परीक्षा में ऐसे करें स्कोर

भयमुक्त हो कर करें परीक्षा की तैयारी, मिलेंगे अच्छे अंक

वसीम अहमद खान

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद 10वीं और 12वीं की मुख्य परीक्षा 2025 होने जा रही है।उत्तर शक्ति के माध्यम से अल्फारूक पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य ने जवाब देते हुए भयमुक्त होकर तैयारी करने की बात कही। संतुलित आहार व स्लीप बैंकिंग पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अच्छे अंक अर्जित करने हेतु प्रश्नों के उत्तर को कम से कम तीन बार निर्धारित समय में लिख कर अभ्यास करें । परीक्षा की तैयारी के समय मोबाइल से दूर रहें। शंकाओं का निराकरण के लिए विषय अध्यापक की मदद लें।सोशल मीडिया से दूर रहें।

अल्फारूक पब्लिक स्कूल के विज्ञापन अध्यापक सुधीश कुमार सिंह कहते हैं।

मोबाइल एडिक्शन से बचें।परीक्षा की तैयारी के दौरान छात्र मोबाइल का प्रयोग कदापि न। यू ट्यूब के माध्यम से जो छात्र तैयारी करते हैं उनकी शंकाओं का समाधान पूरी तरह से नहीं हो पाता है। पेन और पेपर के माध्यम से तैयारी करें । प्रश्नों को पहले अच्छी तरह पढ़ कर उसके कॉन्सेप्ट को समझे फिर उत्तर दें। एन सी आर टी की पुस्तक के हर अध्याय को अच्छी तरह दोहराएं , कॉन्सेप्ट क्लीयर होगा। विज्ञान विषय में लाइट, इलेक्ट्रिसिटी, मेटल नॉनमेटल व कार्बन एंड इट्स कम्पाउन्ड पर अधिक फोकस करें। पांच वर्षों के सैंपल पेपर को हल करें।

इंग्लिश कॉम्प्रिहेंशन को लिख कर प्रैक्टिस करें, अच्छी तैयारी होगी अंग्रेजी **अध्यापक पवन कुमार** कहते हैं कि अंग्रेजी की तैयारी करते समय कॉम्प्रिहेंशन को लिखकर प्रैक्टिस करें। पांच वर्षो के सैंपल पेपर को हल कर, परीक्षा में अंक अर्जित कर सकते हैं।

हिंदी शिक्षिका साधना सिंह कहती हैं कि तैयारी करते समय टाइम मैनेजमैंट का विशेष ध्यान रखें। तैयार किए गए प्रश्नों को लिख कर अभ्यास करें। इससे लिखने की स्पीड बढ़ेगी। कोशिश रहे कि जिन प्रश्नों के उत्तर अच्छे से तैयार हों उन्हें पहले हाल करें इससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। जितने शब्दों में उत्तर देने का निर्देश हो उतने शब्दों में दें। बहुविकल्पी व अतिलघुत्री प्रश्नों के उत्तर अच्छे अंक दिलाते हैं। परीक्षार्थी स्लीप बैंकिंग पर भी

वाराणसी के चंद्रावती गांव में एक साथ 5 जगहों पर चोरी, पुलिस से ग्रामीण नाराज!

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)   । जनपद के चौबेपुर क्षेत्र के रामपुर (चंद्रावती) गांव में शुक्रवार की रात चोरों ने पांच घरों को एक साथ निशाना बनाया। एक साथ पांच घरों में हुई चोरी की घटना ने ग्रामीणों के होश उड़ा दिए घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल किया। चंद्रावती गांव में चोरों ने पांच घरों से लाखों रुपये के जेवरात और नगदी चुरा लिए। चोरों ने पारस यादव, सोनू यादव, निरंजन यादव, सोमनाथ यादव और सुदर्शन पाल के घर चोरी की।पारस यादव राजगीर मिस्त्री का काम करते हैं। उनके घर के ताले की कुंडी को काटकर सोने की एक चेन, सोने की दो अंगुठी, चांदी की एक चेन, चार अंगुठी पैंजनी, पायल, बिछिया, सहित 12 हजार नगद उठा ले गए।वहीं, चार घरों के बक्से और घर को खंगालने पर जब कुछ नहीं मिला तो मोबाइल फोन को ही उठा ले गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची। ग्रामीणों का कहना था कि जो चोर मोबाइल ले गए हैं, वह अभी भी एक्टिव हैं। फिर भी पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकामयाब है। इससे गांव वासियों में पुलिस की तत्परता और सहयोग के प्रति नाराजगी और गुस्सा जताया

Life Clinic
Life Medical & General Store
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
Dr. Sarfaraz Ahmad Siddiqui | Opp.IIBS International Institute Muthugadahalli Post, Doddajala, Bengaluru- 562157 M : 9795218637/9740937394

गुप्ता शू सेन्टर
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
अभिताश गुप्ता
नगर संवाददाता
Mob.: 95656 50528, 7007256194
निकट-हरलालका रोड कोतवाली जनपद जौनपुर

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
भोले राजभर
(बीजेपी)
जिला पंचायत सदस्य वार्ड न. 10 के भावी प्रत्याशी

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
डॉ. ब्रम्हेश शुक्ला
कार्यालय प्रभारी
9415376822
मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार
खेल एवं युवा कल्याण विभाग 30 प्र0 सरकार

Al-Farooq Public School
Affiliated to CBSE, New Delhi
ADMISSION OPEN 2025-26
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
Waseem Ahmad Khan
Principal
Karpi, Hamzapur Pathan, Kadipur, Sultanpur (UP 228145)
+91- 7521000350, 8127149817
afps2002@gmail.com www.afpschool.in
Run By Foundation For Social Care Lucknow U.P.

विश्वकर्मा फ्लैक्स
शकरमंडी, शाहगंज रोड, जौनपुर 222001 (यू.पी.)
आप सभी जनपद वासियों को
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
रवि विश्वकर्मा
डिजाइनर
9140619787
करन विश्वकर्मा
7408785168

आप सभी जनपद वासियों को
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
डॉ. गोरखनाथ पटेल
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
जौनपुर

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
मोहम्मद दानिश
जिला पंचायत सदस्य वार्ड नं0 10 के भावी प्रत्याशी

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
नीरा यादव
(प्रधान)
ग्राम-मवई पोस्ट-सोंगर
करम देई
(पूर्व प्रधान)
विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी जनपद वासियों को
गणतंत्र दिवस
एवं मेराजुन्नबी
(स.अ.व.)
की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
सद्दाम हुसैन एडवोकेट
सदर मरकजी सीरत कमेटी जौनपुर
प्रदेश उपाध्यक्ष व्यापार मण्डल कल्याण समिति
पूर्व छात्र नेता टी.डी. कालेज

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
डॉ. गयासुद्दीन
प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक सभा समाजवादी पार्टी
ग्राम-बरंगी पोस्ट-मानी कलां जौनपुर उत्तर प्रदेश

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
श्रीराम इण्टर कॉलेज
प्रबंधक
सुरेन्द्र प्रताप यादव
बरंगी प्रताप नगर,मानी कलां
विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
रामयश यादव
प्रधान
ग्राम- लखमापुर
पोस्ट- मानी कलां
विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी जनपद वासियों को
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
डॉ. लक्ष्मी सिंह
जिला चिकित्साधिकारी जनपद जौनपुर
(उत्तर प्रदेश)

आप सभी जनपद वासियों को
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
TV उत्तरशक्ति NEWS
गुरैनी संवाददाता
मो. आसिफ सिद्दीकी
मानी कलां, जौनपुर 7860303530
मो. आमिर सिद्दीकी

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
जाने आलम
(प्रधान पति)
फैज़ आलम
ग्राम- मानी खुर्द पोस्ट- मानी कलां
विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
26 JANUARY
बदलापुर क्रिटीकेयर हॉस्पिटल
प्रयागराज रोड, बदलापुर, जौनपुर
डॉ. प्रतीक यादव
डॉ. उत्पल कुमार
डॉ. सौरभ वर्मा
Mob: 7236993236, 8080232392

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
मोहम्मद अरशद खान
(प्रधान)
ग्राम व पोस्ट- मानी कलाँ
विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

जीवनदान क्लीनिक
एण्ड ईशा नेत्रालय
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
डॉ.जे.पी.यादव
जनरल फिजिशियन
निकट-राम जानकी मन्दिर के सामने वाली गली
में पश्चिम तरफ़ मानी कलाँ, जौनपुर

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
ग्रामसभा- मानीकलां से
प्रधान पद
के भावी प्रत्याशी
अब्दुल्लाह खान
(डम्पी)
विकास खण्ड- सोधी शाहगंज, जनपद-जौनपुर

CMO Reg. RMEE. 2341801
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
डा0 मोहम्मद अकमल (फिजिशियन)
पता- मानीकलां, जौनपुर | मो0- 9451610571, 7380850571
डिलीवरी (नार्मल एवं ऑपरेशन द्वारा)

डॉ. वकील नज़ीर इण्टर कालेज
ADDMISSION OPEN- 2025- 26
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें...!
फाउंडर & मैनेजर
डॉ. वकील अहमद नजीर
असिस्टेंट मैनेजर
मो0 राफे शमीम
(M.B.A)
निकट-करीमगंज, मानी कलाँ, शाहगंज, जनपद -जौनपुर (उ0प्र0)- 222139

आप सभी जनपद वासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनायें...!
मो. अशहद
अब्दुल माजिद
BAJAJ
ए. एम. बजाज
Mob.: 9621032024, 9651316060, 9621139686
नियाज़ शॉपिंग सेंटर, मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139

आप सभी जनपद वासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनायें...!
मानी डेन्टल हास्पिटल
डा0 सुफियान अहमद
डेन्टल सर्जन बी. डी. एस., एम. आई. डी. ए.
मिलने का समय- सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक प्रत्येक दिन
पता- नियाज़ शापिंग सेन्टर गुरैनी रोड, मानीकलाँ - जौनपुर